mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-87 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

31 मार्च 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

रोहित शर्मा बोले...

@ पेज 7

ईद का चांद नजर आया, आज देशभर में मनाया जाएगा ईद-उल-फितर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार (30 मार्च) को ईद का चांद देखा गया। इसके बाद मौलाना ने ऐलान किया कि सोमवार (31 मार्च) को पूरे देश में ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाएगा। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि 30 मार्च को

● दिल्ली जामा मस्जिद में सुबह 6.45 पर होगी नमाज

ईद कां चांद नजर आया है। ऐसे में 31 मार्च को पूरे देश में ईद का त्योहार मनाया जाएगा। दिल्ली की जामा मस्जिद में सुबह 6.45 पर होगी नमाज पढ़ी जाएगी। वहीं, लखनऊ में सुबह 10 बजे ईदगाह पर नमाज पढ़ी जाएगी।ईद से पहले बाजारों में काफी चहल-पहल देखी जा रही है।

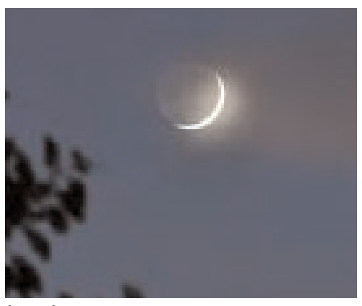

रोजेदारों ने इफ्तार के बाद चांद का दीदार किया और फिर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। कई दिनों से लोग ईद के चांद का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। जैसे ही चांद नजर आया, खुशी का माहौल बन गया। लोग एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद देने लगे।

ईद का चांद नजर आते ही बाजारों में रौनक बढ़ गई है। लोग मिठाइयां और नए कपड़ों की खरीदारी में जुट गए हैं। बच्चों में खासा उत्साह देखा जा रहा है, वहीं घरों में सेवइयों और पकवानों की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए

रविवार को नवरात्र शुरू होने से मंदिरों में भी काफी भीड़ देखी गई। दोनों त्योहारों को देखते हुए देशभर में पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। यूपी के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश भर के अधिकारियों के साथ बैठक कर त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बाजारों में चहल-पहल

ईद के त्योहार के चलते बाजारों में भी भारी भीड़ देखी गई। रेडीमेड कपड़ों और जूतों की दुकानों पर खरीददारों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे कारोबार में तेजी आई। संभल में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष एहतेशाम अहमद ने कहा, ''ईद के कारण बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है। कारोबार खूब फल-फूल रहा है और बिक्री भी अच्छी हो रही है।'' कपड़ा व्यापारी असलम ने भी कुछ ऐसी ही बात कही। उन्होंने कहा, ''इस ईद पर कारोबार बहुत अच्छा रहा। बिक्री भी अच्छी रही और त्योहारी माहौल भी खुशनुमा रहा।''

संक्षिप्त समाचार

म्यांमार में भूकंप के 3 दिन बाद मलबे में दबी लाशों की फैली दुर्गंध

नेपीडॉ (एजेंसी)। म्यांमार में भूकंप के 3 दिन बाद मलबे में दबी लाशों की भीषण दुर्गंध चारों ओर फैल गई है। इससे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने वाली टीम के सामने बड़ी चुनौती आ गई है। साथ ही आसपास के लोगों को महामारी की चपेट में भी आने का खतरा बढ़ गया है। जैसे-जैसे वक्त बीतता जा रहा है, तैसे-तैसे मलबे में दबे लोगों के जीवित मिलने की उम्मीदें कम होती जा रही हैं। भारत से भी कई टीमें म्यांमार

में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने और घायलों के इलाज के लिए पहुंच चुकी हैं। म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर की सड़कों पर रविवार को सड़ते हुए शवों की गंध फैली हुई थी, क्योंकि लोग किसी जीवित व्यक्ति को खोजने की उम्मीद में मलबा हटाने के लिए हाथों से काम कर रहे हैं। दो दिन पहले आए भीषण भूकंप में 1,600 से अधिक लोग मारे गए हैं और अनगिनत लोग दब गए, जिनकी तलाश की जा रही है। शुक्रवार दोपहर को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र मांडले के पास था। इससे झूले की तरह धरती डोलने लगी। कई इमारतें गिर गई। इस दौरान शहर के हवाई अड्डे जैसे तमाम बुनियादी और ऐतिहासिक ढांचे को बड़ा नुकसान पहुंचा। टूटी हुई सड़कों, गिरे हुए पुलों, संचार व्यवस्था में गड़बड़ी और गृहयुद्ध के बीच देश में काम करने की चुनौतियों के कारण राहत कार्य बाधित हो रहे हैं।

'महिला वो है जो पुरुषों को सफलता का एक भी मौका नहीं देती'

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में ट्रांसजेंडर को लेकर अपनी विवादित नीतियों के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में महिला की नई परिभाषा बताई है। ट्रंप ने कहा कि महिला वो होती है, जो कुछ परिस्थितियों में किसी बच्चे को जन्म दे सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मैंने हमेशा पाया है कि वह पुरुषों के मुकाबले कहीं अधिक समझदार होती है। ट्रंप ने कहा कि महिला वह होती है, जो पुरुषों को सफलता का एक भी मौका नहीं देती। बता दें कि डोनाल्ड ट्रम्प ने अपना पदभार ग्रहण करने के पहले दिन ही एक ऐसे कार्यकारी आदेश पर

हस्ताक्षर किया था, जिसमें ÷महिलाओं÷ को वयस्क मानव महिलाओं और ÷गर्भाधान के समय उस लिंग से संबंधित व्यक्ति÷ के रूप में परिभाषित किया गया, जो बड़ी प्रजनन कोशिका का निर्माण करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को महिला इतिहास माह के सम्मान कार्यक्रम में एक ऐसे सवाल ÷महिला क्या है?÷ पर बात की जो रूढ़िवादियों को परेशान करता है। ओवल ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने एक महिला को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जो ÷एक बच्चा पैदा कर सकती है÷ जबकि रिपब्लिकन के नेतृत्व वाले राज्यों में उनके सहयोगियों ने ट्रांसजेंडर अधिकारों को सीमित करने के लिए जन्म के समय किसी व्यक्ति के लिंग के आधार पर लिंग को कानूनी रूप से परिभाषित करने का प्रस्ताव रखा।

हिमाचल प्रदेश में तेज हवा से गिरे पेड़, 6 की मौत, 5 घायल

कुल्लू (एजेंसी)। कुल्लू के मणिकर्ण में गुरुद्वारा के पास तेज हवा से पेड़ उखड़ कर गिरने से कई लोग उसकी चपेट में आ गए। इस हादसे में छह लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। मौके पर पहुंचे लोगों ने बताया कि ÷कायल÷ का एक पेड़ तेज हवा के चलते गिर गया है। नीचे सड़क पर जाम के कारण कई गाड़ियां खड़ी थी, ऐसे में गाड़ियों पर पेड़ गिरने से यह हादसा हुआ है। दबे हुए लोगों की फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है। मौके पर स्थानीय लोगों के साथ पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हादसे के कारण कुछ वाहनों को नुकसान पहुंचा है। घायलों को कुल्लू अस्पताल भेजा गया है। कुल्लू के एडीएम अश्विनी कुमार ने बताया कि मणिकर्म गुरुद्वारा पार्किंग के पास पेड़ उखड़ने से छह लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। पुलिस और जिला प्रशासन की बचाव टीमों ने पांच घायलों को जरी के स्थानीय सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया है।

पीएम मोदी का छत्तीसगढ़ दौरा

33 हजार करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया

बिलासपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार (30 मार्ट) को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर पहुंचे। यहां उन्होंने 33 हजार 700 करोड़ के प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने बिलासपुर में लोगों को संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम ने विकास कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि जन-जन तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए वह तेजी से अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के तीन लाख गरीब परिवार अपने नए घर में प्रवेश कर रहे हैं। यहां उन्हें लाभार्थियों से मिलने का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने महसूस किया कि नया घर मिलने के बाद गरीब परिवार अपनी खुशी नहीं रोक पा रहे थे।

पीएम ने कहा ÷छत्तीसगढ़ की जनता-जनार्दन से किए हर वादे को पूरा करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। नवरात्रि के पहले दिन बिलासपुर में हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास

और लोकार्पण मेरे लिए सौभाग्य की बात है।÷ प्रधानमंत्रीने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक जनसभा को संबोधित करने से पहले कई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने मंदिर हसौद के रास्ते अभनपुर-रायपुर सेक्शन में मेमू ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई।

पीएम ने कहा ÷आज पहला नवरात्रि है और छत्तीसगढ़ तो माता महामाया की धरती है। यह माता कौशल्या का मायका भी है। ऐसे में मातृशक्ति को समर्पित ये नौ दिन छत्तीसगढ़ के लिए बहुत विशेष रहते हैं और मेरा सौभाग्य है कि नवरात्रि के पहले दिन ही मैं यहां पहुंचा हूं।÷ उन्होंने कहा ÷थोड़ी देर पहले 33,700 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इसमें गरीबों के घर, स्कूल, रोड, रेल, बिजली, गैस की पाइपलाइन शामिल है। ये सारे प्रोजेक्ट्स छत्तीसगढ़ के लोगों को सुविधाएं देने वाले हैं। आप सभी को इस विकास कार्य के लिए बहुत-बहुत बधाई।÷

दिल्ली के कालकाजी मंदिर इलाके में ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में 30 मार्च से चैत्र नवरात्र की शुरुआत हो चुकी है, जिसका समापन 7 अप्रैल को होगा। बता दें कि नवरात्र के अवसर

पर भारी संख्या में भक्त देशभर के अलग-अलग देवी मंदिरों में इकट्ठा होते हैं और पूजा पाठ करते हैं। इसी तरह दिल्ली के कालकाजी मंदिर में सालभर भक्तों की भारी भीड़ पहुंचती है। ऐसे में नवरात्र के अवसर पर कालकाजी मंदिर में और भी ज्यादा भीड़ के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में सुचारू यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके और यहां आने-जाने वाले लोगों को किसी तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े, इसलिए दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। इस ट्रैफिक एडवाइजरी के मुताबिक, बाहरी रिंग रोड से आस्था कुंज रोड और लोटस टेंपल रोड के टी प्वाइंट तक श्मशान घाट रोड पर यातायात की अनुमति नहीं होगी।

बीजेपी से निकाले गए विधायक ने अलग पार्टी बनाने का का दिया संकेत

बोले- कर्नाटक में एक नई 'हिंदू पार्टी' गठित की जाएगी

कर्नाटक (एजेंसी)। कर्नाटक में भाजपा से हाल में निष्कासित बागी विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने अलग पार्टी बनाए जाने का संकेत दिया है। रविवार को उन्होंने संकेत दिया कि यदि भाजपा बीवाई विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष पद पर जारी रखने का फैसला करती है। उनके पिता बीएस येदियुरप्पा की 'वंशवादी राजनीति' का समर्थन करतें है तो कर्नाटक में एक नई 'हिंदू पार्टी' गठित की जाएगी।

बीजेपी और पीएम मोदी के खिलाफ नहीं- यतनाल

पूर्व केंद्रीय मंत्री बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा कि वह न ही भाजपा और न ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हैं। यतनाल ने कहा कि वह और उनके सहयोगी एक नई पार्टी की आवश्यकता पर जनता की राय एकत्र करना शुरू करेंगे। बागी विधायक ने विजयादशमी पर इसके अस्तित्व में आने की संभावना का संकेत दिया।

यतनाल ने कहा कि उन्हें राज्य भर के हिंदू कार्यकर्ताओं से संदेश मिल रहे हैं, जिसमें कर्नाटक में 'हिंदू पार्टी' बनाने के लिए कहा गया है, क्योंकि यहां हिंदू वर्तमान प्रदेश भाजपा के अधीन सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने प्रदेश भाजपा पर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ

'समझौता' करने का आरोप लगाया।

भाजपा ने बुधवार को पार्टी अनुशासन का बार-बार उल्लंघन करने के कारण यतनाल को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। यतनाल ने आरोप लगाया, 'हिंदुत्व की पुरजोर वकालत करने वाले लोगों को येदियुरप्पा के बेटे के स्वार्थ के कारण पार्टी में दबाया जा रहा है, आज मुझे भी विजयेंद्र और येदियुरप्पा की वंशवादी राजनीति के कारण दबाया जा रहा है।'

कामाख्या एक्सप्रेस हादसे में एक शख्स की मौत

ट्रेन के 11 डिब्बे मंगुली के पास निरगुंडी में पटरी से उतर गए

कटक (एजेंसी)। ओडिशा के कटक जिले में रविवार को कामाख्या एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। इस हादसे में एक शख्स की मौत हो गई जबकि 8 लोग घायल हो गए। यह जानकारी कटक के डीएम ने दी है। वहीं इस हादसे की जांच की जा रही है। यह ट्रेन बेंगलुरु से कामाख्या जा रही थी। ट्रेन के 11 डिब्बे मंगुली के पास निरगुंडी में पटरी से उतर गए।

हादसे की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ के साथ ही एक राहत ट्रेन घटनास्थल पर भेजी गई। रेलवे और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया गया। साथ ही फंसे हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक भेजने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। वहीं इस हादसे के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा नेकहा कि ओडिशा में हुई रेल दुर्घटना के बाद उनका कार्यालय ओडिशा सरकार के संपर्क में है। शर्मा ने %एक्स% पर एक पोस्ट में कहा, ÷मैं ओडिशा में 12551 कामाख्या

एक्सप्रेस से जुड़ी घटना से अवगत हूं। असम मुख्यमंत्री कार्यालय ओडिशा सरकार और रेलवे के संपर्क में है। हम प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति से संपर्क करेंगे।÷

स्मृति मंदिर और दीक्षाभूमि पहुंचे पीएम मोदी

8 साल बाद नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय में पीएम मोदी पहुंचे

नागपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज नागपुर दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान 8 साल बाद नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय में पीएम मोदी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्मृति मंदिर में आरएसएस के संस्थापकों को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी के साथ इस दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत भी साथ थे। पीएम मोदी ने इस दौरान स्मृति मंदिर के विजिटर बुक में एक संदेश भी लिखा और अपने हस्ताक्षर भी किए। इसके बाद पीएम मोदी बाबासाहब अंबेडकर के नागपुर स्थित दीक्षाभूमि पहुंचे, जहां के विजिटर बुक में पीएम मोदी ने काफी कुछ लिखा।

पीएम मोदी ने स्मृति मंदिर के विजिटर बुक में लिखा, %परम पूजनीय डॉ. हेडगेवार और पूज्य गुरूजी को शत्-शत् नमन। उनकी स्मृतियों को संजोने, इस स्मृति मंदिर में आकर अभिभूत हूं।

भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद और संगठन के मूल्यों को समर्पित यह स्थली हमें राष्ट्र सेवा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। संघ के दो मजबूत स्तंभों की यह स्थली देश की सेवा में समर्पित लाखों स्वयंसेवकों के लिए ऊर्जा पुंज है। हमारे प्रयासों से मां भारती का गौरव सदा बढ़ता रहे।%

वहीं बाबा साहब अंबेडकर के दीक्षाभूमि पहुंचने पर वहां के विजिटर बुक में पीएम मोदी ने लिखा, %बाबासाहेब अंबेडकर के पंचतीर्थों में से एक नागपुर स्थित दीक्षाभूमि में आने का सौभाग्य पाकर अभिभूत हूं। इस पवित्र स्थल के वातावरण में बाबासाहेब के सामाजिक समरसता, समानता और न्याय के सिद्धांतों का सहज अनुभव होता है। दीक्षा भूमि हमें गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों के लिए समान अधिकार और न्याय की व्यवस्था के साथ आगे बढ़ने की व्यवस्था के साथ आगे बढ़ने की उर्जा प्रदान करता है।%

नकली नोट लेकर सरोजनी नगर मार्केट पहुंची दो महिलाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट में जाली नोट चलाने के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी महिलाओं के पास से 100 रुपये मूल्य के 33 नकली नोट भी जब्त किए हैं।

हरियाणा के फरीदाबाद की रानी झा (22) और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के गराचारमा गांव की रहने वाली 29 वर्षीय आकांक्षा देसाई को खुफिया जानकारी के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। बाजार में पैदल गश्त कर रही पुलिस टीम ने 19 मार्च को आरोपी महिलाओं को पकड़ लिया। पुलिस ने बताया, आरोपी महिलाओं ने बाजार में खरीदारी के लिए नकली नोटों का इस्तेमाल करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने कहा कि उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। एफआईसीएन के स्रोत और गिरोह से जुड़े संभावित संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

मुख्यमंत्री ने देहदानी स्व. भैया लाल पटेल के निधन पर दुख व्यक्त किया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व मंत्री श्री रामखेलावन पटेल के पिता श्री भैयालाल पटेल के निधन पर दुख व्यक्त किया है। स्व. भैयालाल पटेल की मृत्यु के उपरान्त उनकी इच्छानुसार उनके पार्थिव शरीर को संजय गांधी मेडिकल कॉलेज रीवा को सौंपने की प्रक्रिया पूरी की गई। स्व. पटेल को श्रद्धांजलि देने के लिए अमर पाटन स्थित उनके निवास पहुंचकर सैकड़ों नागरिकों ने देह के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दी। मैहर जिला प्रशासन द्वारा अमरपाटन में स्व. भैया लाल की पार्थिक देह को गार्ड ऑफ ऑनर देकर राजकीय सम्मान प्रदान किया गया। स्व. पटेल का 89 वर्ष की अवस्था में शुक्रवार को निधन हुआ।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंगदान और देहदान को प्रोत्साहन देने के लिए देहदान करने वाले व्यक्तियों का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किए जाने के निर्देश दिए हैं। देहदान की पूर्व सूचना देने वालों को राज्य शासन की ओर से सम्मानित किये जाने का निर्णय लिया गया। अंगदान की पूर्व सूचना देने वाले व्यक्तियों को 26 जनवरी और 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्वों पर सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश में अनेक नगरों में नागरिकों द्वारा मृत्यु के उपरांत नेत्रदान,अंगदान और देहदान का संकल्प लिया गया है। इसके लिए नागरिकों द्वारा विधिवत निर्धारित प्रपत्र भर कर मेडिकल कॉलेज और अन्य चिकित्सा संस्थानों को सूचित भी किया गया है। ऐसे नागरिकों और परिवारों को मानवता की सेवा के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रदेश में अंग प्रत्यारोपण से संबंधित राज्य स्तरीय संस्थान की स्थापना और अंगदान करने वाले व्यक्तियों के परिवारों को सम्मानित करने की पहल की गई है।

किसानों के हित में गिरदावरी में संशोधन एवं दावा-आपत्ति करने की तिथि 15 अप्रेल तक बढ़ाई गई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में (डिजिटल फसल सर्वेक्षण) गिरदावरी में संशोधन एवं दावा-आपत्ति करने की अवधि 15 अप्रैल तक बढ़ा दी गयी है। इससे किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिये कराये गये पंजीयन की जानकारी और गिरदावरी की जानकारी में आ रहे अंतर में सुधार करवा सकेंगे। गौरतलब है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की बिक्री के लिये किसानों द्वारा कराये गये पंजीयन में दी गयी जानकारी और पटवारी द्वारा की गई गिरदावरी में विभिन्नता होने से आयुक्त खाद्य श्री कर्मवीर शर्मा ने आयुक्त अभिलेख को गिरदावरी में संशोधन/दावा आपत्ति करने की अवधि 15 अप्रेल तक बढ़ाये जाने का आग्रह किया था।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर एवं राजस्व मंत्री वर्मा ने मुरैना में स्वास्थ्य शिविर का किया अवलोकन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर और राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने मुरैना जिला मुख्यालय स्थित पुलिस परेड ग्राउण्ड पर स्वास्थ्य कैम्प की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। शिविर में देश एवं विदेश से आये बड़े चिकित्सकों द्वारा गंभीर बीमारियों का इलाज किया जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर एवं मुरैना जिला प्रभारी एवं राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने शिविर में लगाये सभी विभागों के ओपीडी जिनमें जनरल, मेडीसन, ऑर्थोपैडिक्स, पीडियाट्रिक, ईएनटी, गायनकलॉजी, सर्जीकल, ऑपथामॉलोजी, डेंटल, यूरोलॉजी, सायकिएट्री, ऑनकोलॉजी, डरमैटलॉजी, पलमुनोरी, हिमाटोलॉजी, पेन मेडीसन, कार्डियोग्राफी, एनसीडी क्लीनिक आदि का अवलोकन किया।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने समाज में प्रत्येक व्यक्ति सिकलसेल उन्मूलन मे योगदान की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक सिकलसेल एनीमिया के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के हर वर्ग का सहयोग आवश्यक है। मध्यप्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बाद देश का तीसरा ऐसा राज्य है जहाँ सिकलसेल एनीमिया के सर्वाधिक प्रभावित मरीज़ हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में जागरूकता और शिक्षा के द्वारा इस बीमारी की रोकथाम संभव है। राज्यपाल श्री पटेल महात्मा गांधी स्मृति मेडिकल कॉलेज इंदौर में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री द्वय श्रीमती सावित्री ठाकुर और श्री दुर्गादास उइके, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री राकेश शुक्ला, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया, सिकलसेल मिशन की डिप्टी डायरेक्टर मध्यप्रदेश श्रीमती रूही ख़ान, एम वाई हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव एवं पूर्व डीन डॉ. शरद थोरा मंचासीन थे। सांसद श्री शंकर लालवानी ने इस अवसर पर एमवाय हास्पिटल की ब्लड बैंक टीम को एक वाहन अपनी सांसद निधि से दिए जाने की घोषणा की। राज्यपाल श्री पटेल ने अपने उद्बोधन में 42 साल पहले की पीड़ा और करुणा की कहानी बतायी। उन्होंने कहा कि जब वे गुजरात में कॉरपोरेटर थे, तब उन्होंने पहली बार सिकलसेल एनीमिया की त्रासदी को देखा था। पड़ोस के सिकल सेल एनीमिया से प्रभावित एक बच्चे को वे बम्बई में डॉ. ढोलकिया के पास में इलाज के लिए ले गए थे, किन्तु उस बच्चे को बचाया नहीं जा सका था। इसी तरह उन्होंने मार्मिक ढंग से बताया कि किस तरह पड़ोस की छोटी बच्ची जो उनके गोद में खेला करती थी, इसी बीमारी की वजह से महज़ 4 दिनों में मृत्यु को प्राप्त हो गई।

राज्यपाल श्री पटेल ने बताया कि श्री नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होने राज्य सरकार के मंथन शिविर में सिकल सेल का मुद्दा रखा गया और तब से वे इस कार्य में लगे हुए हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जिस तरह भगवान राम के लंका जाने के दौरान राम सेतु निर्माण में गिलहरी ने भी अपनी भूमिका निभायी थी, उसी तरह समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सिकलसेल एनीमिया के उन्मूलन में अपना योगदान देना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने उपस्थित सभी को इस अवसर पर शपथ भी दिलायी। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि हमारे परिवार, आस-पास और समुदाय में रोग उन्मूलन के लिए जनजागृति हो। इसके लिए जरुरी है कि रोग के जेनेटिक काउंसलिंग में समाज का हर व्यक्ति सहयोग करे। सिकल सेल रोग के उन्मूलन प्रयासों में योगदान करें। यह भी जरुरी है कि जेनेटिक कार्ड के मिलान के बाद ही विवाह करें, हर गर्भवती महिला, शिशु के स्वास्थ्य जांच के प्रति सोशल कॉन्शसनेस हो।

हिंदू नववर्ष पर नरेला विधानसभा में भव्य आतिशबाजी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी नागरिकों को हिंदू नववर्ष, चैत्र नवरात्रि एवं गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं दीं। हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर नरेला विधानसभा क्षेत्र में भव्य आतिशबाजी और विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। मंत्री श्री सारंग ने अपने संबोधन में कहा, हिंदू नववर्ष हमारे लिए नई ऊर्जा और नई प्रेरणा लेकर आता है। यह पर्व हमें अपने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का अवसर प्रदान करता है। मैं सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना करता हूं। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय, गणमान्य

नागरिक, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य आयोजन नरेला विधानसभा अंतर्गत प्रभात चौराहे पर किया गया, जहां रंग-बिरंगी आतिशबाजी ने आसमान को जगमगा दिया। इस अद्भुत नज़ारे को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उमड़े। आतिशबाजी के साथ भजन संध्या का आयोजन भी किया गया, जिसमें भक्ति रस में सराबोर संगीत प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायकों ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। जयकारों और भजनों की गूंज से समूचा क्षेत्र भक्तिरस में डूब गया। श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार और दीप प्रज्ज्वलन के साथ नववर्ष का स्वागत किया।

उल्लास और उमंग का सांस्कृतिक प्रतीक है गुड़ी पड़वाः राज्यमंत्री कृष्णा गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा उल्लास और उमंग का सांस्कृतिक प्रतीक है। भारतवर्ष की महान संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों को संरक्षित करने की जिम्मेदारी मातृशक्ति पर है। यह बात उन्होंने भोपाल में हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में नर्मदापुरम रोड पर एक सभागार में आयोजित कृष्णा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था के कार्यक्रम में कहीं।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि हमारी संस्कृति, परंपराएं एवं पर्व व्यक्तिगत स्वार्थ व सुख के लिए नहीं, बल्कि विश्व के कल्याण के लिए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में जगत के कल्याण के भाव का चिंतन इतना गहरा है कि हर जीव की चिंता हमारी संस्कृति करती है, इसलिए भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था हम सब अपने घरों पर कर सके, इसलिए सकोरों का वितरण भी आज संस्था के द्वारा किया जा रहा है।

इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के ग्राम विकास संयोजक श्री बृज किशोर भार्गव, विद्युत विभाग के डॉ. आलोक पांडे, संस्था की अध्यक्ष श्रीमती किरण खेर सहित सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति मौजूद रहीं।

सागर में संविधान चौक का लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि सागर में बनाये गये संविधान चौक से अन्य जिलों को भी संविधान चौक बनाने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इंदौर में भी सागर जैसा संविधान चौक बनाया जायेगा। मंत्री श्री विजयवर्गीय शुक्रवार को सागर में संविधान चौक के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। सागर नगर निगम ने शहर के अंबेडकर पार्क में चौराहे का सौंदर्यीकरण करते हुए संविधान चौक का निर्माण किया है। कार्यक्रम में विधायक श्री शैलेन्द्र जैन, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी भी मौजूद थीं।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर के जीवन स्थल से संबंधित जगहों पर केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा स्मारक तैयार किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने नागपुर में जहाँ शिक्षा-दीक्षा ली, वहाँ 500 करोड़ रुपये की राशि से विशाल स्मारक का निर्माण किया जा रहा है। नगरीय विकास मंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के आग्रह पर डॉ. अंबेडकर को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब की जन्म-स्थली महू में भी भव्य स्मारक तैयार किया गया है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने अमर शहीद वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा स्थापना के लिये 50 लाख और सागर की लाखा बंजारा छोटी झील के सौंदर्यीकरण के लिये भी राशि की मंजूरी दी। इसी के साथ सागर में ई-वाचनालय के लिये 50 लाख रुपये की राशि मंजूर की।

नगरीय विकास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने सागर के कटरा वार्ड में बनाये गये पं. दीनदयाल उपाध्याय कॉम्पलेक्स का लोकार्पण किया। मुख्य व्यावसायिक क्षेत्र कटरा बाजार में नगर निगम सागर ने 20 करोड़ 35 लाख रुपये की राशि से विशाल शॉपिंग कॉम्पलेक्स का निर्माण किया है।

एमसीयू में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के नालंदा पुस्तकालय भवन में एक निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन भोपाल के महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा पंडित खुशीलाल आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय के सहयोग से किया गया। शिविर के माध्यम से 130 से अधिक महिलाओं को लाभ मिला और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में विश्वविद्यालय की महिला प्रोफेसर्स, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्राओं सहित 130 से अधिक महिलाओं ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। शिविर में तीन प्रमुख महिला विशेषज्ञ डॉक्टरों, डॉ. गीता सुकुमारन, डॉ. मौशमी और डॉ. शालू ने अपनी टीम के साथ महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। गायनाकोलॉजी और पंचकर्म विशेषज्ञों ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया और निःशुल्क दवाईयां भी बांटी।

शिविर में एक विशेष स्टॉल भी लगाया गया, जहाँ महिलाओं को कुछ आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क में प्रदान की गई।

जल जीवन मिशन ने बदली जनजातीय अंचलों की तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत जनजातीय अंचलों में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। डिंडोरी जिले के बैगा जनजातीय बहुल 24 गांवों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। वर्षों से जल संकट से जूझ रहे इन गांवों के हजारों परिवारों के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे अब वे सीधे नल से स्वच्छ पेयजल प्राप्त कर रहे हैं।

डिण्डौरी जिले के इन गांवों में अब तक ग्रामीण नदी-नालों और परंपरागत जलस्त्रोतों पर निर्भर थे, जिससे उन्हें न केवल लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, बल्कि दूषित जल सेवन से बीमारियों का भी सामना करना पड़ता था।

अब पीएचई विभाग द्वारा स्थापित आधुनिक वाटर यूनिट्स के माध्यम से हर घर को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। खारीडीह ग्राम पंचायत के उफरी और बाहरपुर गांव के निवासियों ने बताया कि पहले पेयजल की व्यवस्था चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस पहल को राज्य के जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश के हर ग्रामीण परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने इसे जनजातीय अंचलों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले हर नागरिक को पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा सहज रूप से उपलब्ध हों। जल जीवन मिशन के अंतर्गत डिंडोरी में हुआ यह कार्य प्रदेश के अन्य जनजातीय अंचलों के लिए भी एक आदर्श प्रस्तुत करता है। इस पहल से न केवल जल संकट का समाधान हुआ है, बल्कि जलजनित बीमारियों पर भी नियंत्रण पाया जा रहा है। ग्रामीणों के लिए यह सिर्फ पानी की उपलब्धता का विषय नहीं, बल्कि एक बड़े बदलाव का संकेत है। जिससे उनका स्वास्थ्य और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आया है।

शराब दुकान के सामने काले झंडे लेकर पहुंची महिलाएं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में शराब दुकानों की शिफ्टिंग का मामला तूल पकड़ रहा है। शनिवार को कई महिलाएं हाथों में काले झंडे लेकर मालवीय नगर में खुल रही शराब दुकान के सामने पहुंच गईं। उन्होंने विरोध के तौर पर काफी देर तक काले झंडे फहराए। कहा कि दुकान को कहीं और शिफ्ट किया जाए, वरना उग्र प्रदर्शन करेंगी। इससे पहले संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़), सांई राम कॉलोनी सेमरा और बावड़ियाकलां चौक में भी रहवासी शराब दुकानें खुलने का विरोध कर चुके हैं। अब चौथी दुकान मालवीय नगर स्थित पत्रकार भवन के सामने प्रदर्शन हो रहा है। यहां 1 अप्रैल से नई दुकान शिफ्ट हो जाएंगी। वार्ड नंबर-34 स्थित मालवीय नगर में नई शराब दुकान खुल रही है। इसके पास ही विधायक

रेस्ट हाउस, बिड़ला मंदिर भी है। वहीं, घना रहवासी इलाका भी है। इसके चलते लोग विरोध कर रहे हैं। पार्षद पप्पू विलास घाड़गे को ज्ञापन सौंपने के बाद शनिवार को वे सड़क पर उतर गए। कई महिलाएं हाथों में काले झंडे लिए हुए थे। उन्होंने खुल रही दुकान के सामने ही झंडे फहरा दिए। उनका कहना था कि रहवासी इलाके में दुकान खुलने से आसामाजिक तत्वों का दिनभर जमावड़ा रहेगा। इससे उन्हें निकलने में परेशानी होगी। दूसरी ओर, बच्चों पर भी बुरा असर पड़ेगा। इसी रोड से कई बार मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, आईएएस-आईपीएस गुजरते हैं। इस लिहाज से भी दुकान खोलना गलत है। बावजूद दुकान खुलती है तो वे भूख हड़ताल और धरना प्रदर्शन तक करेंगे।

बावड़ियाकलां चौक में शराब दुकान खोलने के विरोध में गुरुवार को लोग सड़क पर उतर आए थे। उनका कहना था कि जिस जगह दुकान खोली जा रही है, उससे सिर्फ 50 मीटर दूर ही अस्पताल और रहवासी इलाका है।

वहीं, मंदिर होने से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही है। यहां पर दुकान के लिए स्ट्रक्चर तैयार हो रहा था। जैसे ही लोगों को यहां दुकान खुलने की खबर मिली, वे एकजुट होकर विरोध करने लगे। कॉलोनी के महिला-पुरुष मैदान में उतर गए। उनका कहना था कि अस्पताल और धार्मिक स्थलों के पास शराब की दुकान खोलना न केवल नियमों का उल्लंघन है बल्कि यह सामाजिक माहौल को भी बिगाड़ सकता है।

म.प्र. बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांत 1 अप्रैल 2025 से होंगे प्रभावशील

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आवासीय आरसीसी निर्माण तथा समस्त क्षेत्रों में आरबीसी/ टिन शेड/ कच्चा कवेलू के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रचलित निर्माण दरें वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी यथावत जारी रहेंगी। यह निर्णय शनिवार को केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक में लिया गया। बैठक में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड के सभी सदस्य उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शन सिद्धांतों का बनाया जाना और उनका पुनरीक्षण नियम-2018 के अंतर्गत अचल संपत्ति के बाजार मूल्य के मार्गदर्शन सिद्धांत के प्रस्ताव के अनुमोदन और भूमि, भवन एवं स्थावर संपत्ति में विभिन्न प्रकार के हितों के संबंध में बाजार मूल्य के नियतन के लिए मानदंड/ उपबंध के अनुमोदन के संबंध में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड/ महानिरीक्षक पंजीयन मध्यप्रदेश की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा जिला मूल्यांकन समितियों से बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांत के प्रस्ताव वर्ष 2025-26 के अनुमोदित प्रस्तावों पर विचार करने के बाद उन्हें मान्य किया गया।

निर्णय अनुसार बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांत वर्ष 2025-26 आगामी 1 अप्रैल 2025 से प्रभावशील हो जायेंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024-25 में बाजार मूल्य से अधिक मूल्य पर पंजीबद्ध दस्तावेज नवीन प्रस्तावित रिंग रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्यमार्ग, प्रधानमंत्री सड़क अन्य जिला सड़क, तीव्र नगरीकरण, प्रदेश में विकसित हो रही शहरी अधोसंरचना आदि को दृष्टिगत रखते हुए जिला मूल्यांकन समितियों द्वारा प्रेषित प्रस्तावों पर विचार के बाद दरों को प्रस्तावित मूल्यों के आधार पर युक्तियुक्त किए जाने का निर्णय लिया।

महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को दिलाए बेहतर चिकित्सकीय शिक्षाः उप मु यमंत्री शु ल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल की सामान्य सभा की बैठक हुई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल में अध्यनरत विद्यार्थियों को बेहतर से बेहतर चिकित्सकीय शिक्षा दिलाना सुनिश्चित करें, जिससे विद्यार्थी बेहतर चिकित्सकीय शिक्षा प्राप्त कर अच्छे चिकित्सक बन सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शहडोल, अनूपपुर एवं उमरिया जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से %निरोगी काया अभियान% की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं का शत प्रतिशत पंजीयन कराया जाए और समय-समय पर महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की जाए। उन्होंने कहा कि सीएमएचओ एवं बीएमओ इस कार्य को प्राथमिकता से लें तथा गर्भवती महिलाओं की समय-समय पर जांच करने हेतु मैदानी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित करें तथा वरिष्ठ अधिकारी मॉनिटरिंग भी करें।

सिंगरौली के बंधा ब्लॉक की कोयले वाली जमीन के भू अर्जन पर उड़ाई जा रही भारत सरकार के गाइडलाइन की धज्जियां

कोल ब्लॉक पर अधिग्रहीत जमीनों का गड़बड़झाला

कोयले वाली जमीनों के भू अर्जन पर सरकार के मापदंड से अलग चल रही निजी कंपनियां

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। देश की ऊर्जाधानी में इन दिनों कोयला निकालने के लिए निजी कंपनियों और सरकार के द्वारा की जा रही भू अर्जन की प्रक्रिया में गड़बड़ी देखने को मिल रही है जिसके तहत भारत सरकार की गाइडलाइन के विपरीत निजी कंपनियों ने आम लोगों को ठगने की परम्परा शुरू कर दी है तथा सूबे में कोयला निकालने के लिए अधिग्रहण करने वाली जमीनों के भू अर्जन पर सरकार के द्वारा जारी रिवॉर्ड की प्रक्रिया से भी कम की राशि भूस्वामियों को देने का सिस्टम बनाया गया है जिससे आम लोग अब औने पौने दामों में अपनी जमीनें बिक्री करके विस्थापितों के जैसे जीवन यापन करने के लिए मजबूर हैं।

कोल ब्लॉक के मुआवजे में फंसा भूमिस्वामी: बताया जा रहा है कि बंधा कोल ब्लॉक और धिरौली ब्लॉक में जमीनों के भू अर्जन का काम करने वाली निजी कंपनी के द्वारा जमीनों को किसी भी भूमिस्वामी से खनिज अधिनियम 1957 के तहत मुआवजा कर लेना चाहिए और उसका अधिग्रहण खनिज अधिनियम 2013 के तहत करना चाहिए परंतु इन नियमों को ताक पर रखकर कंपनी के द्वारा अपना अलग ही नियम बनाया गया जिसमें वह सरकार के द्वारा जारी किए गए नियमों को ध्यान में न रखते हुए कम दाम में लोगों से उनकी जमीनों को खरीदने का काम कर रहे हैं।

गाइडलाइन के विपरीत हो रही भू अर्जन की प्रक्रिया: दरअसल सिंगरौली जिले में कोयला निकालने के लिए सरकार के द्वारा प्रायवेट कंपनियों को जमीनें लीज पर दी जाती है जिसके लिए भूमिस्वामियों से भू अर्जन की प्रक्रिया कंपनी को खुद करना होता है मगर स्थानीय जिला प्रशासन से सांठ गांठ बनाकर कंपनी के द्वारा भूमि स्वामियों को चुना लगाने का काम किया जाता है जिसमें सरकार के द्वारा जमीनों को खरीदने की जो गाइडलाइन बनाई गई है तथा जो राशि तय की गई है उससे कम में जमीनों को खरीदकर कोयला निकालने का काम निजी कंपनियां कर रही हैं।

कंपनिया कर रही गड़बड़ी का खेल: आपको बता दें बंधा कोल ब्लॉक और धिरौली में ही वहां काम कर रही निजी कंपनी ने यह तरकीब अपनाई है जिससे लोगों को अपनी जमीनों का कम मुआवजा मिल रहा है और कंपनी के संचालक उन जमीनों से काला सोना निकलकर मलाई छान रहे हैं।

स्थानीय कार्यालय में दबी पड़ी है अधिग्रहण की फाइलें : स्थानीय लोगों की माने तो कंपनी ने सिंगरौली जिला प्रशासन से ऐसी सांठ गांठ बनाई है जिससे वह जिस तरह का अधिग्रहण अपने स्तर में करते हैं उसकी जानकारी वही की फाइलों में दबी रहती हैं तथा यह जानकारी ना तो प्रदेश कार्यालय तक पहुंच पाती और ना ही केंद्र सरकार तक जिससे आम लोग कंपनी के नियमों के साथ चलने को मजबूर हैं।

प्रभात के प्रयासों से कई गांवों में हुआ विद्युत नवीनीकरण का कार्य

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। रीवा। प्रभात कुमार पांडेय के के द्वारा कई गांवों में बिजली नवीनीकरण को लेकर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को पत्र लिखकर क्षेत्रों की समस्या से अवगत कराया गया था जिसमें रीवा गुढ़ विधानसभा अन्तर्गत ग्राम पंचायत अमिलिहा,जरहा,उपडौरा, डीहुली,अमबा,गौरा, दुआरी एवं अन्य गावों में नए सर्वे करा कर जरहा सब स्टेशन से लगे सभी गावों में विद्युत सप्लाई करने के लिए प्रभात पांडेय ने गुढ़ विधायक नागेन्द्र सिंह एवं मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को पत्र लिखकर क्षेत्र की समस्या से अवगत कराया। प्रभात पाण्डेय ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्या कम वोल्टेज, विद्युत कटौती,किसानो की फसलों का नुकसान,बच्चों के पठन पाठन जैसे अन्य महत्वपूर्ण विंदुओ को लेकर उन्होंने पत्र में उल्लेख किया था इस दौरान स्थानीय विधायक नागेन्द्र सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों की समस्या को देखते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए सर्वे कर तत्काल नवीनीकरण कर समय सीमा में कार्य किए जाने का आदेश दिया था तब जाकर गांव की समस्याएं दूर हुई।

ई आफिस के लिए ईमेल आईडी आज अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रशासनिक कार्यों तथा फाइलों के निराकरण के लिए ई आफिस प्रणाली लागू की जा रही है। इसके माध्यम से फाइलें ऑनलाइन एक विभाग से दूसरे विभाग तथा एक अधिकारी से दूसरे अधिकारी के पास जाएंगी। डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से इनका निराकरण होगा। इसके लिए फाइलों पर टीप अंकित करने वाले अधिकारियों और कार्यालय सहायकों की ईमेल आइडी तैयार की जा रही है। ईमेल आईडी पर ही फाइलें प्राप्त होंगी। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी अधिकारियों को 31 मार्च तक ई आफिस व्यवस्था के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की ई मेल आईडी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि अधिकारी जिला सूचना विज्ञान अधिकारी से संपर्क करके अपने कार्यालय को ई आफिस में ऑनबोर्ड कराने के लिए एम्पलाई मास्टर डाटा (ईएमडी) फाइल की एक्सल शीट जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को उपलब्ध कराएं। इसे मोबाइल नम्बर 8010903546 अथवा ई मेल एमपी आरईडब्ल्यू एट द रेट एनआईसी डॉट इन पर भी उपलब्ध कराया जा सकता है। सभी अधिकारी तय समय सीमा में ईमेल आईडी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं।

भरहुत होटल में आयोजित हुई श्री अन्न उत्पादों की प्रदर्शनी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कृषि विभाग द्वारा शनिवार को मोटे अनाज के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने और श्री अन्न उत्पादों के ब्रांडिंग के लिए शनिवार को शाम को मिलेट्स ब्रांडिंग कम एग्जीबिशन गैलरी का आयोजन किया गया। सतना सांसद श्री गणेश सिंह, विधायक चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने मिलेट प्रदर्शनी का उद्घाटन कर श्री अन्न उत्पादों और उनसे बने व्यंजनों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर सांसद गणेश सिंह ने कहा कि श्री अन्न यानि मोटे अनाज हमारे देश का मौलिक और परंपरागत अनाज है। इससे बने व्यंजन तथा भोजन की पौष्टिकता और स्वाद लाजबाब होने के साथ ही व्यक्ति को स्वस्थ्य रखने में भी सहायक होते हैं। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर देश में वर्ष 2023 को श्रीअन्न (मिलेट) वर्ष के रूप में मनाया गया। स्वास्थ्य भारत और मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए किसानों को मिलेट्स की ओर जाना होगा। गत वर्षों की तुलना में सतना और मैहर जिले में मोटे अनाजों की खेती निरंतर बढ रही है।

विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार ने कहा कि मोटे अनाज हमारे किसानों के लिए पूर्व के वर्षों में प्राथमिकता की फसल रहा है। लेकिन बाद में बढती हुई देश की आबादी और अन्य फसलों की अपेक्षा कम उत्पादन होने से धीरे-धीरे मिलेटस का अभाव होता गया। विधायक ने कहा कि खेती में उत्पादन की लागत बाजार और मूल्य तीन चीजें प्रमुख होती है। उत्पादन अच्छा हो और फसल की कीमत समानुपातिक रूप से अच्छी मिले तो किसान इसकी ओर प्रेरित होगा।

कार्यर्₹ म के प्रारंभ में उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास मनोज कश्यप ने बताया कि राज्य मिलेटस प्रोत्साहन योजना के तहत मोटे अनाजों के उत्पादन को बढावा देने और किसानों को इस ओर प्रेरित करने मोटे अनाज (मिलेटस) की ब्रांडिग की जा रही है। प्रदर्शनी में ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, सांवा और रागी के बनने वाले उत्पाद और उनसे बनने वाले स्वादिष्ट पोषण युक्त व्यंजन रखे गये हैं। प्रदर्शनी में आये हुए सहभागियों ने स्व सहायता समूह एवं एफपीओ तथा कृषि मित्रों द्वारा मोटे अनाज से सतना जिले में निर्मित उत्पादों का अवलोकन और ₹ य तथा मिलेटस से बने व्यंजनों, कोभरी, लाटा, ज्वार, बाजरा और मक्के की रोटी, कटलेट (बडा), कोदो-कुटकी का भात, चौसेला, भरता और रांगी की स्वादिष्ट खीर का रसास्वादन किया।

ग्राम पंचायत दुर्गापुर से हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ सतना जिले में 30 मार्च को जनपद पंचायत नागौद की ग्राम पंचायत दुर्गापुर के ग्राम मोरा से किया गया। इस अवसर पर ग्राम मोरा में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने दो नवीन अमृत सरोवर के निर्माण का भूमिपूजन किया। इस मौके पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता सिंह, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, एसडीएम जीतेन्द्र वर्मा, कार्यपालन यंत्री आरईएस सीएल साकेत, सहायक यंत्री बीएल गुप्ता, सहायक यंत्री पीएचई अतुल खरे सहित स्थानीय जनपद प्रतिनिधि, अधिकारी तथा ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर आज से शुरू हुआ प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान जल संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जो आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को संरक्षित करने में सहायक होगी। सरकार का यह संकल्प "हर बूंद अमूल्य" की भावना को साकार करते हुए समृद्ध और आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के निर्माण की ओर एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि यह अभियान निरंतर ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जायेगा। उन्होंने ग्राम वासियों से कहा कि सभी जल संरक्षण का संकल्प लें और इस महाअभियान का हिस्सा बनें। राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने नागौद विकासखण्ड के दुर्गापुर ग्राम पंचायत के ग्राम मोरा में 24 लाख 84 हजार रूपये की लागत से उसरहा हार में बनने वाले अमृत सरोवर का नाम ठाकुर बाबा अमृत सरोवर रखने की सलाह दी। इस सरोवर में लगभग 36 हजार क्यूविक घन मीटर जल का संचय होगा। इसी प्रकार मोरा के ही खजुरहाई में 23 लाख 42 हजार रूपये लागत से बनने वाले अमृत सरोवर का नामकरण कौडिया बाबा के नाम पर किया। इस अमृत सरोवर में 25 हजार घन मीटर जल का संचय होगा।

मैहर जिले में सूर्य उपासना के कार्यक्रम का आयोजन

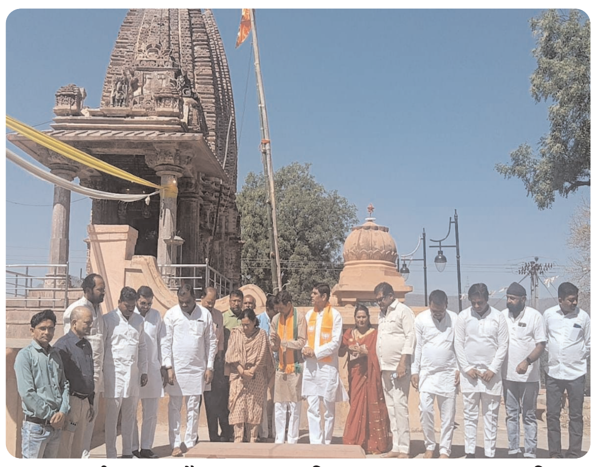

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के आदेशानुसार संवत् 2082 के शुभारंभ ईसवी कैलेण्डर के अवसर पर सूर्य उपासना के कार्यर्₹ म मैहर जिले के एकलव्य आदिवासी आवासीय विद्यालय के ऑडिटोरियम में भव्यता के साथ मनाया गया।

राज्य शासन द्वारा कार्यर्₹ म के लिए नामांकित मुख्य अतिथि मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कार्यर्₹ म की शुरुआत मैहर के प्राचीन गोलामठ शिव मंदिर से पूजा अर्चना कर की। इसके बाद एकलव्य आदिवासी आवासीय विद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यर्₹ म में दीप प्रज्वलित कर कार्यर्₹ म की शुरुआत की। इस दौरान मुख्य अतिथियों के द्वारा भारत का नववर्ष विर्₹ म संवत पुस्तक का वितरण किया गया। कार्यर्₹ म में उज्जयेनी के प्रतापी राजा विर्₹ मादित्य के जीवन पर आधारित सांसकृतिक कार्यर्₹ मों का आयोजन नाट्य दल के कलाकारों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ने नाट्य दल के कलाकारों को सम्मानित भी किया।

इस मौके पर कलेक्टर रानी बाटड़, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, जनपद सीईओ प्रतिपाल बागरी, सीएमओ नगरपालिका सुषमा मिश्रा, जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती शीतल नितिन ताम्रकार, विकास तिवारी, कुलदीप तिवारी, अशोक चौबे सहित नगर के गणमान्य नागरिक एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मैहर के ग्राम बेहरा से हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी द्वारा 30 मार्च रविवार को जनपद पंचायत मैहर की ग्राम पंचायत सेमरा के ग्राम बेहार में अभियान का शुभारंभ किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी द्वारा ग्राम बेहार में नवीन तालाब निर्माण कार्य का शुभारंभ कर किया गया। प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 30 मार्च से 30 जून तक की अवधि में जल स्त्रोत संरचनाओं की सफाई और निर्माण कार्य किये जायेंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती महेश जयंती तिवारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतिपाल बागरी, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की अभिनव सोच को रेखांकित करता है। आगामी 30 जून तक इस कार्यर्₹ म को सफल बनाने के लिए प्रत्येक ग्रामवासी को प्रतिदिन अपना तथा संभव योगदान देने के लिए के लिए कहा गया। कार्यर्₹ म का प्रमुख उद्देश्य जल संरक्षण के महत्व को आम जनता को समझाना और इस अभियान में आम जनता की सहभागिता को बढ़ाना है ताकि गांव से लेकर शहर तक सभी पानी को बचाने और वर्षा जल की रोकने की तैयारी में अपना सहयोग प्रदान कर सके। वर्षा जल की हर बूंद का संचय किया जा सके। कार्यर्₹ म के दौरान उपस्थित ग्रामीण जनों को जल संरक्षण और संवर्धन की शपथ दिलाई गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान का जिले में हुआ शुभारंभ

जनप्रतिनिधियों व आमजनों ने मिलकर किया जल संरक्षण के कार्यों में श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार जिले में भी 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान का आज जिले के विभिन्न स्थानों में शुभारंभ हुआ। जल संरक्षण के कार्यों में जनप्रतिनिधियों व आमजनों ने मिलकर अपनी सहभागिता निभाई। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में समारोहपूर्वक जल संरक्षण के कार्यों का शुभारंभ हुआ।

गंगेव जनपद अंतर्गत तिवनी में आयोजित जल संरक्षण के कार्य में विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति ने ग्रामीणजनों के साथ श्रमदान किया। इसी प्रकार रामसगरा तालाब गंगेव में भी जल संरक्षण के लिए कार्य की शुरूआत की गई। रायपुर कर्चुलियान के तालाब के समीप जल संरक्षण कार्य एवं सिरमौर के शाहपुर ग्राम पंचायत में रताई तालाब में तथा त्योंथर के दुआरी तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्य प्रारंभ हुए। गुढ़ तहसील के अंतर्गत हर्दी नम्बर एक गांव में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने जल संवर्धन कार्यों में अपनी सहभागिता निभाई।

मऊगंज जिले में भी जल संवर्धन के कार्य हुए आरंभ - जल गंगा अभियान के तहत मऊगंज जिले के सलैया रूस्तम ग्राम पंचायत में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक देवतालाब श्री गिरीश गौतम ने जल संरक्षण कार्यों का शुभारंभ किया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत छुहिया, डिहिया पड़ान के बेला तालाब तथा फूलकरण सिंह में भी जल संरक्षण के कार्य प्रारंभ किए गए। जनपद हनुमना अंतर्गत बेलौही कला में विधायक मऊगंज श्री प्रदीप पटेल ने नवीन तालाब निर्माण का भूमिपूजन किया।

सतना जिले के 13 प्रमुख मंदिरों में हुई ब्रम्ह ध्वज की स्थापना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार विर्₹ म संवत् 2082 का शुभारंभ ईसवी कैलेण्डर 30 मार्च 2025 को होने के अवसर पर सतना जिले के प्रमुख 13 मंदिरों में जन अभियान परिषद और ग्राम विकास समिति तथा स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से ब्रम्ह ध्वज की स्थापना की गई। इसके अनुसार संतोषी माता मंदिर बिरला रोड, राम जानकी मंदिर बडा स्थान सोहावल, भरजुना देवी मंदिर, रामवन के हनुमान मंदिर, जगत देव तालाब के शिव मंदिर, काली माता मंदिर कोटर, भटनवारा की मां ज्वाला धाम मंदिर, नागौद के खेरूआ सरकार मंदिर, बाबूपुर के चण्डी माता मंदिर, चित्रकूट के कामतानाथ मंदिर, बिरसिंहपुर के गैवीनाथ मंदिर, सतना के पशुपति नाथ मंदिर और परसमनिया के कोरदन नाथ मंदिर में ब्रम्ह ध्वज पूजन कर विधिवत स्थापना की गई।

विचार

पुरुषों को कानूनी संरक्षण मिलना आवश्यक है

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक निर्णय दिया जिसमें एक 11 साल की बच्ची के साथ कुछ लड़कों द्वारा किए जाने वाले दुष्कर्म की कोशिश को यौन शोषण कानून की बजाय दूसरे आपराधिक कानून लागू करने के लिए कहा गया। उसकी गूंज उच्चतम न्यायालय से लेकर संसद तक सुनाई दी। इसे अमानवीय और असंवेदनशील करार दिया गया। इसके विपरीत हमारे देश में ऐसे भी अनेक मामले हैं जिनमें 10 से 20 वर्ष तक इन सख्त कानूनों के अंतर्गत मिली सजा के कारण किसी निर्दोष को जेल में रहना पड़ा और बहुत ही मुश्किल से रिहाई हुई। कुछ तो आज भी निरपराध होते हुए यौन अपराध की सजा भुगत रहे हैं जो उन्होंने किया ही नहीं।

प्रश्न यह है कि क्या कानून इतना लचीला है कि कोई भी जज या वकील अथवा कोई अधिकारी जिनमें पुलिस और प्रशासन के लोग शामिल होते हैं,उनमें से कोई अपनी इच्छा के अनुसार कार्रवाई कर सकता है और फैसला कर सकता है।

शोषण और उत्पीड़न - बाल यौन शोषण के लिए सन् 2012 में पॉक्सो एक्ट बना। न्याय संहिता के अंतर्गत 376 और अन्य धाराएं हैं ही और ये सब इतने कठोर हैं कि निर्ममता की सीमाएं लांघ जाते हैं। मान लीजिए कि आपने किसी बच्ची जो आपसे परिचित भी हो सकती है और नहीं भी, आपने उसके गाल को स्पर्श कर दिया तो यह साबित होने से पहले कि आपने यह बाल सुलभ प्यार के कारण किया था या मन में उसके प्रति कोई दूषित भावना थी, आप दोषी सिद्ध किए जा सकते हैं। इसी प्रकार यदि किसी महिला के काम से खुश होकर या उसके केवल सौंदर्य से प्रभावित होकर कोई टिप्पणी कर दी तो दो संभावनाएं हो जाती हैं कि या तो आपने प्रशंसा के उद्देश्य से ऐसा किया या मन में वासना के कारण किया। कानून केवल इसे यौन शोषण की कोशिश ही मानेगा। बच्ची हो या महिला, यह तय करना लगभग असंभव है कि किस ने किस भाव से प्रेरित होकर यह काम किया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा अपना निर्णय सुनाने की प्रक्रिया में यह सोच भी हो सकती है कि इन 2 युवकों का पूरा जीवन नष्ट कर देने का निर्णय लें या कम सजा देने के लिए दूसरी धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई करने का आदेश दें। इस मामले में गवाह भी एक राहगीर था जिसने यह सब देखा और युवकों को भागने के लिए मजबूर कर दिया और बच्ची सुरक्षित हो गई। जहां तक कानून की बात है उसमें कुछ वर्षों से लेकर आजीवन कैद तक की सजा दी जा सकती है। पॉक्सो एक्ट इतना सख्त है कि कहीं कोई गुंजाइश ही नहीं है कि व्यक्ति अपने को निर्दोष साबित करने के लिए कोई दलील दे सके। उल्लेखनीय है कि 18 वर्ष से कम के व्यक्ति को बच्चों की ही श्रेणी में रखा गया है। इसमें वह सब कुछ शामिल कर लिया गया जिसकी कल्पना की जा सकती थी कि यह सब कुछ हो सकता है और इसके लिए जुर्माना, कठोर कारावास या दोनों दिए जा सकते हैं।

दुनिया ने माना भारत के सशक्त स्वास्थ्य मोर्चे का लोहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत मिशन' के तहत देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है। इतना ही नहीं यूएन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अनूठी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे 'अनुकरणीय' बताया।

मोदी सरकार के ऐसे कामों एवं उपलब्धियों की आलोचना करने वालों को प्रशंसा भी करनी चाहिए, क्योंकि अच्छे काम के लिए प्रशंसा सरकारों को मूल्यवान महसूस कराती हैं और उन्हें अपने काम के प्रति अधिक वफ़ादार एवं जिम्मेदार बनाती हैं। अनेक शोध के अनुसार, जो देश एवं प्रांत अपनी सरकारों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, उनकी उत्पादकता और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि देखी जाती है और दुनिया इसकी प्रशंसा करती है। प्रशंसा और आभार व्यक्त करने से समुदाय की भावना, जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिये कुछ अधिक सशक्त करने का एक कारण मिलता है। ऐसे कारणों से नया भारत, विकसित भारत एवं सशक्त भारत का निर्माण होता है। मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूठा एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबी का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों आश्चर्यकारी रही है, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है। वर्ष 2000 के बाद भारत में नौनिहालों का जीवन बचाने की सार्थक एवं प्रभावी मुहिम छेड़ी है, जो एक बड़ी छलांग एवं उपलब्धि है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के इस आकलन से मोदी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है। इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है।

इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक निवेश के माध्यम लाखों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। इसने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से शिशु मृत्यु दर में ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह की बाल मृत्युदर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, घाना व बुरुंडी का उदाहरण दिया गया। वर्ष 2000 से भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में 70 व नवजात शिशुओं की मृत्युदर में 61 प्रतिशत की कमी हासिल की है। स्वास्थ्य कवरेज बढ़ाने, सशक्त स्वास्थ्य नीतियों एवं योजनाओं से मौजूदा स्थिति को सुधारने के लिए किए गए उपायों के कारण ऐसा संभव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर गर्भवती महिला मुफ्त प्रसव की हकदार है और शिशु देखभाल संस्थानों में मुफ्त परिवहन, दवाएं, निदान और आहार इसमें सहायता प्रदान करती है। भारत ने प्रसूति प्रतीक्षा गृहों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग, बीमार नवजात की देखभाल, मातृ देखभाल और जन्म दोष जांच के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। भारत ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दाइयों व कुशल प्रसव सहायकों के प्रशिक्षण और तैनाती को भी प्राथमिकता दी है। दुनिया भर में लगभग एक अरब बच्चे पहले से ही उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का सामना कर रहे हैं और बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है कि जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा पर तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। लेकिन भारत इन स्थितियों में स्वास्थ्य चुनौतियों को कम करने के लिये सशक्त योजनाओं एवं सोच के साथ तत्पर है।

मोदी सरकार की प्रभावी स्वास्थ्य योजनाओं के बावजूद अब भी स्वास्थ्य के मोर्चे पर बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बड़ी हकीकत यह भी है कि एक बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में मजबूरी में ही उपचार कराना पसंद करते हैं। छोटे शहरों और गांवों में न केवल डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, बल्कि अस्पतालों और मेडिकल उपकरणों की भी। इसके चलते इन क्षेत्रों के लोग शहरों के बड़े अस्पतालों की ओर दौड़ लगाते हैं, जहां निजी क्षेत्र के अस्पतालों के मुकाबले सरकारी अस्पताल बहुत पीछे नजर आते हैं। यह सही है कि बीते कुछ वर्षों में अनेक नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, लेकिन सरकार के सामने बड़ी समस्या है कि इन मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में सेवाएं देने के लिए तैयार नहीं होते। सरकारी अस्पतालों को सशक्त एवं सर्वसुविधायुक्त किया गया है लेकिन समय के साथ उपचार महंगा होता जा रहा है। यदि किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ता है तो वह कर्जे में डूब जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि अपने यहां स्वास्थ्य बीमा का उतना चलन नहीं, जितना आवश्यक है। सरकारें इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि अधिक आयु के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा महंगा होता जाता है और इसके बाद भी उसमें अच्छा-खासा जीएसटी लगता है। सरकार को अधिक प्रभावी स्वास्थ्य परिणामों के लिये स्वास्थ्य सेवाओं एवं दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए।

बच्चों की बढ़ती आबादी के साथ नित नई चुनौतियाँ भी बढ़ेंगी। इसलिए इन चुनौतियों से निपटने के लिए बच्चों और युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और कौशल विकास में अधिक निवेश करना बहुत जरूरी है। जलवायु परिवर्तन से जुड़े खतरों से बहुत अधिक गर्मी, बाढ़, जंगल में आग और चक्रवात जैसी घटनाओं में आठ गुना वृद्धि होने का अनुमान है और इनका सीधा असर बच्चों पर पड़ेगा। निश्चित ही मोदी सरकार इन चुनौतियों से लड़ने में सक्षम है। एक अच्छा लीडर किसी चीज का ब्लेम थोड़ा ज्यादा लेता है और क्रेडिट लेने के मामले में पीछे रहता है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। इतिहास अक्सर किसी आदमी से ऐसा काम करवा देता है, जिसकी उम्मीद नहीं होती। और जब राष्ट्र की आवश्यकता का प्रतीक कोई आदमी बनता है तब भले ही उसकी प्रशंसा क्यों न हो, उसका कद स्वतः बढ़ जाता है। मोदी ने इस युग को वह दिया जिसकी उसे जरूरत है, वह नहीं जिसकी कि वह प्रशंसा करे।

जीवन को परिभाषित करने तक ही प्रधानमंत्री मोदी उपदेश नहीं देते, अपितु उन्होंने भारत के जीवन को बदलने एवं जीवनस्तर को ऊंचा उठाने के कार्यक्रम दिये हैं जिनमें बूढ़े, बच्चे, महिलाएं, युवा सब होते हैं, वे उनसे सीधा सम्पर्क करते हैं एवं उन्हें दिशाबोध देते हैं। अब संयुक्त राष्ट्र ने मोदी के कार्यों एवं योजनाओं को अनुकरणीय एवं अनूठा माना है तो इससे देश का सीना तना है, गर्व से ऊंचा हुआ है। आपने साल का वृक्ष देखा होगा- काफी ऊंचा! शील का वृक्ष भी देखें- जो जितना ऊंचा है उससे ज्यादा गहरा है। आखिर इस गहराई को मापने वाले संयुक्त राष्ट्र का आभार। जो भी कोई मूल्य स्थापित करता है, जो भी कोई पात्रता पैदा करता है, जो भी कोई सृजन करता है, जो देश का गौरव बढ़ाता है, जो देश की ज्वलंत समस्याओं एवं त्रासदियों से मुक्ति दिलाता है, जो गीतों में गाया जाता है, उसे सलाम। मोदी के मजबूत इरादों एवं मनोबल को सलाम।

अगले साल तक खत्म हो पाएगा लाल आतंक?

इसे संयोग कहें या कुछ और, बीते 21 मार्च को जब छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षा बलों के हाथों तीस नक्सली मारे गए, उसी वक्त केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह संसद में नक्सलवाद के सफाए का ऐलान कर रहे थे। अमित शाह का कहना था कि अगले 375 दिनों में नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा। अगर तारीखों के हिसाब से कहें तो केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक कभी लाल आतंक के नाम से कुख्यात रहे नक्सलवाद के सफाए का लक्ष्य रखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या सचमुच नक्सलवाद आखिरी सांसे ले रहा है और जल्द ही आतंक का पर्याय रही ये विचारधारा अतीत बन जाएगी।

साल 2025 के अभी तीन महीने ही गुजरे हैं, लेकिन इस बीच नक्सलवाद को लेकर जो आंकड़े सामने हैं, उनसे तो लगता यही है कि नक्सलवाद अब गिने-चुने दिनों की ही बात है। केंद्रीय गृहमंत्रालय के आंकड़ों पर भरोसा करें तो बीते तीन महीनों में ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 119 नक्सली मारे जा चुके हैं। नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को यह कामयाबी सिर्फ 10 मुठभेड़ों में ही मिली हैं। बीते साल यानी 2024 में मुठभेड़ों में 239 नक्सली मारे गए थे। यानी सिर्फ सवा साल की अवधि में ही 358 नक्सली मारे जा चुके हैं। इतने नक्सलियों का मारे जाने और भारी संख्या में नक्सलियों के आत्म समर्पण करने का संकेत साफ है कि अब नक्सलियों की कमर टूटती जा रही है। शायद यही वजह है कि अमित शाह संसद में पूरे आत्मविश्वास के साथ ऐलान कर रहे हैं कि नक्सलवाद देश में आखिरी सांसे गिन रहा है।

साल 2010 के आंकड़ों के हिसाब से देश के तकरीबन छठवें हिस्से में नक्सलवाद का प्रभाव था। झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश तक नक्सलवाद फैला हुआ था। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के हिसाब से तब देश के 96 जिलों में आतंकवाद का खूनी पंजा फैला हुआ था। यूं तो हर सरकार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाती रही है, लेकिन इसमें तेजी केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद आई। नक्सलवाद को ज्यादातर सरकारें कानून और व्यवस्था का मामला मानती रहीं, उसके जिम्मेदार सामाजिक कार्यों को किनारे रखा जाता रहा। मोदी सरकार ने इसे कानून और व्यवस्था का मामला तो माना, लेकिन उसके साथ ही इसे सामाजिक नजरिए से भी देखना शुरू किया।

नक्सलवाद को लेकर कहा जाता रहा है कि जहां विकास नहीं पहुंचा, जहां शोषण की अर्थव्यवस्था रही, वहीं नक्सलवाद को पनपने का ज्यादा मौका मिला। शायद इसी वजह से नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास के पहिये को तेजी से दौड़ाने की तैयारी हुई। सड़कों और रेल लाइन की पहुंच नक्सल

प्रभावित इलाकों में बढ़ाने की शुरूआत हुई। बीते आठ वर्षों में 10718 करोड़ की लागत से नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 9356 किमी सड़कों का निर्माण किया गया। इन इलाकों में तैनात केंद्रीय बलों तैनात केंद्रीय बलों द्वारा स्थानीय आबादी के लिए जहां स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने शुरू हुए, वहीं उन्हें मुफ्त में जरूरी दवाएं दी जाने लगीं। इसी तरह उन इलाकों में पेयजल सुविधा बढ़ाने, सोलर लाइट की सुविधा देने के साथ ही खेती के उपकरण और बेहतर बीच आदि देने की कोशिश तेज हुई। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2014 से अब तक इन मदों में नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 140 करोड़ रुपये के काम किए जा चुके हैं। डाक विभाग ने 90 नक्सलप्रभावत प्रभावित जिलों में, तकरीबन हर तीन किलोमीटर पर सिर्फ आठ वर्षों में ही 4903 नए डाकघर खोले हैं। इसी तरह अप्रैल-2015 से लेकर अब तक 30 सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों में 1258 नई बैंक शाखाएं और 1348 एटीएम लगाए गए हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में संचार की सुविधा बढ़ाने के लिए पहले चरण में 4080 करोड़ रूपये की लागत से 2343 मोबाइल टावर लगाए गए तो दूसरे चरण में 2210 करोड़ से 2542 मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं। इन इलाकों में 245 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बनाने की तैयारी है,जिनमें 121 काम शुरू कर चुके हैं। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि नक्सल उग्रवाद ऐसे क्षेत्रो में तेजी से पनपा, जहां गरीबी ने जड़ें जमा रखी थी। नक्सली विचार प्रभवित समूहों ने इन इलाकों के लोगों के असंतोष को खाद पानी के रूप में इस्तेमाल किया और इस तरह उग्रवाद को बढ़ावा मिला। इन समूहों को स्थानीय समर्थन मिलने के कारण सुरक्षा संस्थाओ को अपना काम करने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था, परन्तु 2014 के बाद हालात बदले।

दूसरी तरफ उग्रवादी समूहों को हो रही फंडिंग पर रोक लगाने के लिए चौकसी बढ़ाई गई। इसके तहत नक्सल प्रभावित राज्यों ने जहां 22 करोड़ की संपत्ति जब्त की,वहीं प्रवर्तन निदेशालय ने तीन और एनआईए ने पांच करोड़ की संपत्ति जब्त की। नक्सली हिंसा की जांच के लिए एनआईए में अलग से एक सेक्शन बनाया गया। जिसे अब तक 55 मामलों की जांच सौंपी जा चुकी है। इसी तरह विशेष कार्रवाई के लिए विशेषज्ञ सुरक्षा बलों पर जोर दिया गया और सूचनाओं को साझा करने का नेटवर्क विकसित किया गया। नक्सलरोधी ऑपरेशन के लिए केंद्रीय और राज्यों विशेष ऑपरेशन टीमें बनाई गईं। सुरक्षा बलों और नक्सलियों पर निगाह के लिए तकनीक को बढ़ावा भी दिया गया। इसके तहत लोकेशन मोबाइल फोन और दूसरी तकनीक सुरक्षा बलों को मुहैया कराई गईं। द्रोण कैमरों से नक्सलियों पर निगाहबानी शुरू हुई और कैजुअल्टी या विशेष ऑपरेशन के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई।

शायद यही वजह रही कि संसद में नक्सल ऑपरेशन को लेकर गृहमंत्री अमित शाह बेहद आत्मविश्वास में नजर आ रहे थे। उन्होंने कहा, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रमुख जगहों पर सीआरपीएफ और इसकी विशेष इकाई %कोबरा% ही माओवादियों से लोहा ले रही है। इन बलों ने ऐसी रणनीति बनाई है, जिसमें नक्सलियों के पास दो ही विकल्प, %सरेंडर% करो या %गोली% खाओ, बचे हैं। अब ऐसा कोई इलाका नहीं बचा है, जहां सुरक्षा बलों की पहुंच न हो। वे महज 48 घंटे में %फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस% स्थापित कर आगे बढ़ रहे हैं। अब नक्सलियों के लिए जंगलों में अधिक दूरी तक पीछे भागना भी संभव नहीं हो रहा। उनकी सप्लाई चेन कट चुकी है। नक्सलियों की नई भर्ती तो पूरी तरह बंद हो चुकी है। इतना ही नहीं, घने जंगलों में स्थित नक्सलियों के ट्रेनिंग सेंटर भी तबाह किए जा रहे हैं।

नक्सल प्रभावित इलाकों में अमन-चैन हो और बिना खून बहाए ही लोग अपनी शिकायत लोकतांत्रिक ढंग से रख सकें। इसका विरोध शायद ही कोई करेगा। नक्सलवाद का आतंक खत्म हो, इसका स्वागत ही होना चाहिए। लेकिन व्यवस्था को यह भी देखना होगा कि भविष्य में ऐसे हालात फिर ना बनें, जिससे फिर से नक्सलवाद को बढ़ने को मौका मिले। क्योंकि विचार केंद्रित एक्शन भले ही रूक जाए, विचार कभी नहीं मरते।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पीएम मोदी ने 33 हजार 700 करोड़ के 22 प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए, बोले-

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में खूब घोटाले हुए

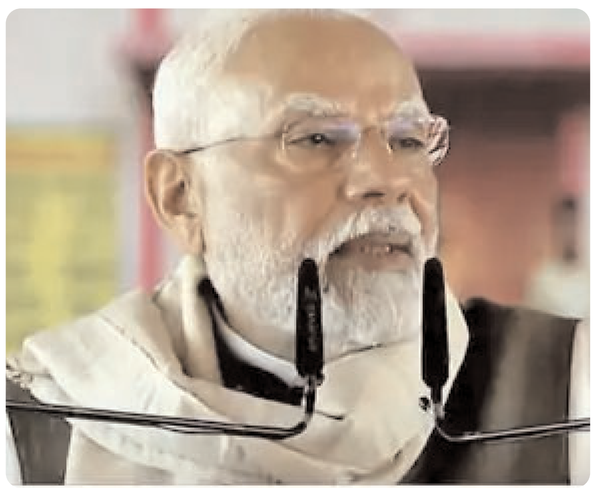

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर ((निप्र))। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पीएम मोदी ने 33 हजार 700 करोड़ के 22 प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए। इस दौरान मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में भर्ती परीक्षाओं में खूब घोटाले हुए। भाजपा सरकार ने घोटालों को लेकर जांच बिठाई। छत्तीसगढ़ को हमने बनाया है, हम ही सवारेंगे।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय बिजली व्यवस्था खस्ताहाल थी। लोगों को बिजली नहीं मिलती थी। हमारी सरकार बिजली प्लांट लगा रही है। आपके घरों में जीरो बैलेंस के लिए पीएम सोलर योजना शुरू की गई है। इसके जरिए आप बिजली बनाकर यूज के साथ बेच भी सकेंगे।

वहीं पीएम ने कहा कि हमारी सरकार यहां गैस पाइप लाइनें बिछा रही है। घरों में खाना बनाने की गैस अब पाइप से आ पाएगी। जैसे पाइप से किचन में पानी आता है, वैसे ही अब गैस आएगा। हम अभी 2 लाख से ज्यादा घरों में सीधे पाइप से गैस पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

पीएम ने कहा कि गैस उपलब्ध होने से यहां छत्तीसगढ़ में नए उद्योग लगाना भी संभव हो पाएगा। यानी बड़ी संख्या में यहीं पर रोजगार बनेंगे। गैस पाइप लाइन आने से यहां सीएनजी से गाड़ियां चल पाएंगी। इसका एक और फायदा होगा।

मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में माता कौशल्या का मायका है। मेरा सौभाग्य है कि नवरात्र के पहले दिन मैं यहां पहुंचा हूं। छत्तीसगढ़ की राम भक्ति भी अद्भुत है। यहां रामनामियों ने पूरा शरीर भगवान राम को समर्पित किया है।

मोदी ने भारत माता की जय, मां महामाया और जय जोहार से सभा की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 33 हजार 700 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इसमें गरीबों का घर है, स्कूल है, रोड है, बिजली है, पाइप लाइन है। ये सारे प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ के नागरिकों को सुविधा देने वाले हैं। नौजवानों के लिए नए रोजगार बनाने वाले हैं।

इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी रविवार को नागपुर के आरएसएस मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। वे सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक यहां रहे। उन्होंने संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।

मोदी ने कहा कि हम आदिवासी समाज के विकास के लिए भी विशेष अभियान चला रहे हैं। हमने आपके लिए धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान शुरू किया है। इसके तहत 80 हजार करोड़ रुपए आदिवासी इलाकों में खर्च किए जा रहे हैं। इससे छत्तीसगढ़ के करीब 7 हजार आदिवासी गांवों को फायदा हो रहा है।आदिवासियों में भी अति पिछड़ी आदिवासी जनजातियां होती है। पहली बार हमारी सरकार ने अती पिछड़ी आदिवासियों के लिए पीएम जन-मन योजना बनाई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ के 18 जिलों में 2 हजार से अधिक बसाहटों में काम किया जा रहा है।

मोदी ने कहा कि देशभर में पिछड़ी जनजातियों की बस्तियों में करीब 5 हजार किलोमीटर की सड़कें स्वीकृत की गई है। इनमें आधी सड़कें छत्तीसगढ़ में ही बनाई जानी है। यानी ढाई हजार किलोमीटर सड़कें यहां पीएम जन-मन योजना के तहत बनेंगी।

सीएम साय ने पीएम मोदी को छत्तीसगढ़ की वीरांगना बिलासा देवी केवट का मोमेंटो भेंट किया। बिलासा देवी का जीवन इस बात का प्रमाण है कि महिलाएं सीमाओं को पार कर इतिहास रच सकती हैं। यह मोमेंटो उन्हीं मूल्यों और प्रेरणाओं का दर्पण है। मोदी की सभा में एक छात्रा मोदी की पेंटिंग लेकर पहुंची थी। मोदी की पेंटिंग लहराते हुए घंटेभर से खड़ी थी, तभी उनकी नजर छात्रा पर पड़ी। पेंटिंग को छात्रा से लेने के लिए मोदी ने अधिकारियों को निर्देश दिए।

50 नक्सलियों ने छोड़ी हिंसा 14 माओवादियों पर 68 लाख का इनाम

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में रविवार को 50 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनमें 14 नक्सलियों पर 68 लाख रुपए का इनाम घोषित है। ये 14 नक्सली 1 लाख रुपए से लेकर 8 लाख रुपए तक के इनामी हैं। पिछले कई सालों से नक्सल संगठन के साथ जुड़कर काम कर रहे थे। अब हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौट आए हैं। सरेंडर करने वालों में बटालियन नंबर 1 का 1, कंपनी नंबर 2 के 4, कंपनी नंबर 7 के 1, कुतुल एरिया कमेटी, नेशनल पार्क एरिया कमेटी से.ष्टरूस्तर के 3, जनताना सरकार अध्यक्ष, केएएमएस अध्यक्ष, सीएनएम सदस्य के 68 लाख रुपए के 14 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है।

इन्होंने छोड़ी हिंसा रविंद्र कारम, बटालियन नं.1 का सदस्य, 8लाख रुपए इनामी, रोनी परसिक, कंपनी नं. 2,की सदस्य 8 लाख रुपए इनामी ,राकेश कड़ती उर्फ राजू, कंपनी नं. 2 पार्टी सदस्य, 8 लाख रुपए इनामी, कोपे लेकाम, कंपनी नं. 2 पार्टी सदस्य, 8 लाख रुपए इनामी,शांति ताती उर्फ कल्पना, कंपनी नं. 2 पार्टी सदस्य, 8 लाख रुपए इनामी, सोनू हेमला, कंपनी नं. 7 का पार्टी सदस्य (सीसी बसवा राजू सुरक्षा), 8 लाख रुपए इनामी , भीमा ओयाम उर्फ जीवन, 5 लाख रुपए इनामी, पायकी हपका उर्फ सुकाई, 5 लाख रुपए इनामी ,सोनू ताती, 5 लाख रुपए इनामी,पोज्जा ताती उर्फ दिवाकर, पार्टी सदस्य, 1 लाख रुपए इनामी ,नानी माड़वी, केएएमएस अध्यक्ष, 1 लाख रुपए इनामी ,बुधराम पदम, आरपीसी सीएनएम अध्यक्ष, 1 लाख रुपए इनामी , पायकी पोटाम, आरपीसी केएएमएस अध्यक्ष, 1 लाख रुपए इनामी,आयतू पोटाम, आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष, 1 लाख रुपए इनामी15 महीने में 141 का एनकाउंटर1 जनवरी 2024 से लेकर मार्च 2025 तक इन 15 महीनों में सिर्फ बीजापुर जिले में ही 141 नक्सलियों का एनकाउंटर किया गया है। जबकि, 656 नक्सली गिरफ्तार और 346 नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़ चुके हैं।

छत्तीसगढ़ में हीट-वेव अलर्ट 1-2 अप्रैल को तेज हवा के साथ हो सकती है बारिश

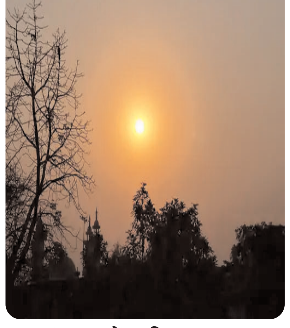

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में लगातार तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। मौसम विभाग ने आज मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में गर्म दिन होने की चेतावनी जारी की है। वहीं 1 अप्रैल से छत्तीसगढ़ में मौसम में बदलाव हो सकता है। 1 और 2 अप्रैल को तेज हवा के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान है। शनिवार को प्रदेश में सबसे अधिकतम तापमान रायपुर में रहा। यहां 40.2 डिग्री दिन का तापमान पहुंच गया है। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक छत्तीसगढ़ में अगले 2 दिनों तक दिन तापमान स्थिर रहेगा। इसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री गिरावट होगा। रायपुर में अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। शनिवार को रायपुर में दिन का तापमान 40.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यह प्रदेश में सबसे अधिक रहा।शनिवार को दुर्ग और राजनांदगांव में अधिकतम तापमान 38 के पार रहा। दुर्ग का पारा 38.2 डिग्री और राजनांदगांव का पारा 38.9 डिग्री रहा। मौसम विभाग के मुताबिक सरगुजा संभाग के जिलों में अधिकतम तापमान में गिरावट हुई। शुक्रवार को अधिकतम पारा 36.8 डिग्री रहा जो शनिवार को करीब 2 डिग्री कम होकर 34.8 तक पहुंच गया। वहीं रात का तापमान 17 डिग्री रिकॉर्ड किया गया यह प्रदेश में सबसे कम रहा।

प्यार में फंसाकर 4 शादियां की खुद को कुंवारी बताती फिर दहेज का केस कर ऐंठती पैसे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर में एक लुटेरी दुल्हन का मामला सामने आया है। दुल्हन लड़कों को सामाजिक ग्रुप में बायोडाटा भेज कर अपने प्यार में फंसाती है। फिर शादी होने के बाद दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाकर पैसे ऐंठ लेती है। इस पूरे कांड में उसकी मां भी शामिल थी। रायपुर के एक युवक को शादी के बाद शक हुआ तो उसने पुलिस और कोर्ट का सहारा लिया। तब जाकर दुल्हन और उसकी मां के खिलाफ मुजगहन थाने में एफ आइ आर दर्ज हुई। शुभम देवांगन (बदला हुआ नाम) ने बताया कि उसकी शादी साल 2023 मई में पूजा देवांगन उर्फ़ गीतांजलि से हुई थी। पूजा मूल रूप से आरंग की रहने वाली है। एक सामाजिक ग्रुप में उसका बायोडाटा आया था। शुभम के परिवार वालों ने पूजा से अप्रोच किया। धीरे-धीरे पूजा और शुभम के बीच बातचीत होने लगी। इस दौरान पूजा ने उसे अपने प्यार के जाल में फंसा लिया और जल्दी शादी की जिद करने लगी। मिली जानकारी के मुताबिक, शादी के कुछ महीने बाद पूजा ने शुभम से दूरियां बढ़ा ली। वह घर में विवाद करने लगी और अलग रहने की जिद करने लगी। परेशान होकर शुभम रायपुर से अंबिकापुर शिफ्ट हो गया। शुभम एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करने लगा। महिला वहां से अपने मायके जाने की जिद करने लगी। इसके बाद वह लंबे समय तक मायके में रही। इस दौरान शुभम को शक भी हुआ। शुभम का आरोप है कि पूजा ने विवाद के बाद पुलिस में झूठी शिकायत दी। उसने शुभम और उसके परिवार वालों के खिलाफ फर्जी शिकायत दर्ज करवाई। जिसमें दहेज और मानसिक प्रताड़ना का आरोप था। शुभम ने भी मुजगहन थाने में शिकायत दी लेकिन पारिवारिक विवाद होने से मामला साल 2024 में कोर्ट में चला गया। इस विवाद के दौरान पूजा देवांगन ने शुभम के घर में रखे करीब 5 लाख रुपए के गहने लॉकर से निकाल लिए। इनमें उसकी मां के जेवर भी शामिल थे। फिर उसे लेकर वह मायके चली गई। इसके बाद शुभम ने शक बढ़ते ही महिला के संबंध में जांच पड़ताल की।पता चला कि पूजा देवांगन ने 2015 से लेकर 2023 के बीच अलग-अलग लड़कों से 4 शादियां की है। उन्होंने उमेश देवांगन, पुरुषोत्तम देवांगन और लोकनाथ देवांगन से भी शादी की है। आरोप है कि महिला पूजा देवांगन के साथ इस कांड में उसकी मां गायत्री देवांगन ने भी साथ दिया। शुभम को पता चला कि महिला ने पहले के पति को तलाक भी नहीं दिया है और खुद को कुंवारी बताकर उससे विवाह कर लिया। कोर्ट ने करीब 8 महीने की सुनवाई के बाद पुलिस को महिला और उसकी मां के खिलाफ एफ आइ आर दर्ज के निर्देश दिए हैं।

रायपुर में लावारिस मिला जापानी महिला का बैग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर में एक जापानी महिला का लावारिस हालत में बैग मिला है। काले रंग के बैग में लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और पासपोर्ट भी है। इसके अलावा इसमें टोक्यो से दिल्ली और जयपुर का एयर टिकट भी बरामद हुआ है। बैग में इसके अलावा और भी कई महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट मिले हैं। इस मामले में पुलिस ने जापानी एंबेसी को जानकारी भेजी है। साथ ही महिला की तलाश भी की जा रही है। मामला पुरानीबस्ती थाना इलाके के प्रोफेसर कॉलोनी का है। प्रोफेसर कॉलोनी में रहने वाले एक युवक को रात करीब 10 बजे टहलते हुए कचरे के ढेर में एक बैग दिखा। जब उसने बैग को खोलकर देखा तो अंदर लैपटॉप और डॉक्यूमेंट थे। उसने फौरन पुरानी बस्ती पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी योगेश कश्यप मौके पर पहुंचकर बैग की तलाशी ली। तो उसमें महिला का पासपोर्ट मिला। पुलिस जांच में महिला की पहचान फ़ुकिको ओतसूबो (उम्र 65) के रूप में हुई है। वह जापान की राजधानी टोक्यो के पास किसी शहर की रहने वाली बताई जा रही है।

वह मर्चेंट बैंकिंग सेक्टर से जुड़ी हो सकती है। बैग से बैंक से जुड़े डॉक्यूमेंट मिले हैं। बैग से एयर टिकट मिले हैं जिसमें टोक्यो से दिल्ली और जयपुर की जानकारी है। हालांकि इस टिकट में रायपुर आने के कोई सबूत नहीं है। महिला का बैग यहां कैसे पहुंचा? या चोरी कर लाया गया हो। महिला किस मकसद से रायपुर आईं? वर्तमान में वह कहां पर है? किसी अनहोनी का शिकार तो नहीं हुई? ऐसे कई सवालों की तलाश पुलिस कर रही है।

प्रधानमंत्री की सभा में जा रही बोलेरो नदी में गिरी दो की मौत

मीडिया ऑडीटर, गौरेला (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने जा रही बोलेरो हादसे का शिकार हुई है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में बोलेरो एक महिला को रौंदते हुए पुल में जा गिरी। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 8 भाजपा कार्यकर्ता घायल हुए है, जिनमें 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना कोटमी चौकी क्षेत्र के सोन नदी पर बने पुलिया में हुई। ग्रामीणों के मुताबिक, पुल पर एक महिला फूल विसर्जन कर रही थी, तभी तेज रफ्तार बोलेरो ने उन्हें टक्कर मार दी। इसके बाद गाड़ी पुल से नीचे गिर गई। एक और हादसे में राजधानी रायपुर में भी एक बिजनेस मैन की मौत हुई है। शनिवार रात उनकी कार अनियंत्रित होकर ढाबे में जा घुसी थी। बताया जा रहा है कि युवक अपने दोस्त के साथ कव्वाली प्रोग्राम से वापस घर लौट रहा था।गौरेला हादसे में पुलिस का कहना है कि, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल ले जाया गया। मरने वालों में बोलेरो ड्राइवर बाबूलाल चौधरी (30 साल) और पंडरीखार गांव की रमिताबाई (40 साल) शामिल है। इनमें 4 गंभीर घायलों को बिलासपुर रेफर किया गया है। सभी मनेंद्रगढ़-बैकुंठपुर से बिलासपुर के मोहभाठा जा रहे थे। गौरेला हादसे में घायल राम सकल आयाम, ताराबहरा (पंच) भुनेश श्रीवास्तव, ताराबहरा सुनील साहू, तारबहारा

गंभीर रूप से घायल राकेश यादव, ताराबहरा शिव प्रसाद चेरवा, ताराबहरा (पूर्व सरपंच) राम प्रसाद सूर्यवंशी, ताराबहरा (सरपंच) धीरसाई पिता बैरागी, ताराबहरा (पंच)तीरथ प्रसाद, तारबहारा जिला कलेक्टर लीना मंडावी, एसडीएम अमित बेक और एसडीओपी निकिता तिवारी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। जिला अस्पताल पहुंच कर घायलों के संबंध में जानकारी लेकर इलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि सोन नदी में सकरी पुलिया और मोड़ भी है। पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। पुल पर सुरक्षा दीवार नहीं होने के कारण वाहन नदी में गिरने की घटनाएं होती रहती हैं।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में लगातार हो रहे हादसों के बावजूद यातायात प्रभारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जानकारी के मुताबिक, इसके पहले भी साल 2023 में बिलासपुर में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने मनेंद्रगढ़ से जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं की कार कारीआम केंदा घाटी में दुर्घनाग्रस्त हुई थी जिसमें भी कई भाजपा कार्यकर्ता घायल हुए थे।

नवरात्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर शोभायात्रा के दौरान पुलिस रखेगी निगरानी

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। कोरबा में चैत्र नवरात्र उत्सव की तैयारियां पूरी हो गई हैं। पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। पहले दिन शहर में दो बड़ी शोभायात्राएं निकलेंगी। पहली रैली गौ माता चौक से टीपी नगर चौक तक और दूसरी कोसाबाड़ी चौक से टीपी नगर तक जाएगी। दोनों रैलियों में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों की सांस्कृतिक झांकियां शामिल होंगी।

एसपी सिद्धार्थ तिवारी खुद सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाल रहे हैं। सीएसईबी ग्राउंड से पुलिस बल को तैनात किया गया है। शहर के प्रमुख चौराहों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जगह-जगह मचान बनाए गए हैं। सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सादे कपड़ों में पुलिस कर्मी भी तैनात रहेंगे। किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए दमकल वाहन और एंबुलेंस की भी व्यवस्था की गई है। कोरबा शहर के अलावा बालको, कुसमुंडा, दीपका और एनटीपीसी में भी रैलियों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। शहर के प्रमुख मंदिरों जैसे सर्वमंगला, मड़वारानी, चैतुरगढ़ और पाली मंदिर में भारी भीड़ की संभावना है। जेबकतरों और चेन स्नैचिंग से बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। बैनर-पोस्टर लगाए जा रहे हैं। मंदिर समितियों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

रायगढ़ में 47 लाख रुपये की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायगढ (निप्र)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पेटी कांट्रैक्टर ने निर्माण कार्य की आड़ में 47.50 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। उसने काम में प्रोग्रेस बताकर 14 लाख नगद और 8.50 लाख चेक के जरिए रकम ले ली। वहीं स्टोर रूम में रखे करीब 25 लाख रुपए का सामान भी गायब कर दिया।

मामले की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है।

सेवाकुंज रोड के रहने वाले 49 वर्षीय मिथलेश कुमार पटेल ने घरघोड़ा थाना में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वह मेसर्स आर्या कंस्ट्रक्शन कंपनी में अकाउंटेंट के पद पर काम करता है।

कंपनी कई कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स के अलावा जल जीवन मिशन योजना के तहत घरघोड़ा और तमनार ब्लॉक में भी कार्य कर रही है, जिसका लेखाजोखा मिथलेश के जिम्मे था।

ऐसे में तमनार और घरघोड़ा ब्लॉक के कुछ कंस्ट्रक्शन कार्यों की देखरेख और पेटी कांट्रैक्टर के तौर पर काम के लिए सक्ती थाना क्षेत्र के वार्ड 18, रेलवे क्रॉसिंग के पास रहने वाले शकील अहमद को 1 अक्टूबर 2023 से सभी लेबर कार्य, पेमेंट और सामान की देखरेख का ठेका दिया गया था।

इसके बाद, शकील अहमद ने कार्य प्रगति का हवाला देकर नकद और चेक के जरिए 22.50 लाख रुपए ले लिए, जिसमें उसने चेक से 8.50 लाख रुपए और 14 लाख रुपए नकद लिया।

कोयला निकालने गए 2 ग्रामीणों की मौत 5 दिन बाद बदबू आने पर नदी किनारे पहुंचे परिजन

मीडिया ऑडीटर, मनेंद्रगढ़(निप्र)। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में मिट्टी धंसने से 2 लोगों की मौत हो गई। 2 ग्रामीण कोयला खदान में अवैध तरीके से खनन करने गए थे। दोनों ही 25 मार्च से लापता थे। परिजनों को इसकी जानकारी भी नहीं थी। जानकारी के मुताबिक, मनेंद्रगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत घुटरा में स्थित धुनेटी नदी के किनारे अवैध रूप से कोयला निकाला जाता है। यह कोयला आसपास के ईंट भट्ठों में खपाया जाता है। कोयला निकालने के लिए तस्कर ग्रामीणों को पैसे देते हैं और अवैध कोयला उत्खनन कराया जाता है। ग्राम पंचायत घुटरा के अगरियापारा, ठाठपानी के 2 ग्रामीण इंद्रपाल अगरिया (50 साल) और राजेश अगरिया (35 साल) बाकी ग्रामीणों के साथ कोयला निकालने गए थे। 25 मार्च, मंगलवार शाम को वे धुनेटी नदी के किनारे पहुंचे थे।

दोनों एक अवैध खदान के अंदर घुसकर कोयला निकाल रहे थे। इस दौरान ऊपर की मिट्टी का टीला धंस गया और दोनों ग्रामीण अंदर दब गए। मौके पर मौजूद अन्य ग्रामीण भाग निकले। दोनों ग्रामीण पहले भी कोयला निकालने जाते थे और भट्ठे में काम करते थे। इस कारण परिजनों ने भी उनकी खोजबीन नहीं की। शनिवार को जब राजेश अगरिया का मोबाइल बंद मिला तो परिजनों ने उनकी तलाश की। जब परिजन रात को खोजते हुए धुनेटी नदी के किनारे पहुंचे तो उन्हें बदबू आई। रविवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण और मनेंद्रगढ़ थाने की टीम मौके पर पहुंची। दबे ग्रामीणों का चप्पल और टिफिन बाहर मिला, जिससे परिजनों ने दोनों की पहचान की। परिजनों के अनुसार दोनों को मंगलवार शाम भाजपा नेता मनीष राय अपने साथ ले गया था। इसके बाद दोनों वापस नहीं लौटे। ग्रामीणों ने रविवार सुबह मिट्टी के टीले को हटाने का काम शुरू किया। पुलिस ने इसके लिए ग्रामीणों को काम में लगाया। कई टन मिट्टी पड़े होने के कारण मिट्टी हटाने के लिए पुलिस ने जेसीबी मशीनें भी बुलाई। करीब 4-5 घंटे की मशक्कत के बाद दोनों के शवों को निकाल लिया गया। बताया जा रहा है कि, दोनों शव सड़ने की हालत में आ गए थे। ग्रामीणों ने बताया कि धुनेटी नदी के किनारे बड़ी मात्रा में कोयले का भंडार है। यहां करीब 25 सालों से अवैध रूप से कोयला निकाला जाता है। ग्रामीण बड़ी संख्या में यहां कोयला निकालने पहुंचते हैं। मौके पर कई सुरंग बने हुए हैं। रविवार को जब पुलिस पहुंची तब भी मौके पर बोरियां और कोयले के ढेर मिले। करीब 2 माह पूर्व कोतवाली थाना प्रभारी ने भी एसपी, वनविभाग और खनिज विभाग को पत्र लिखकर धुनेटी नदी के किनारे कोयले के अवैध उत्खनन की जानकारी दी थी।

सीएम और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने सुनी 'मन की बात'

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री निवास रायपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सूने। सीएम साय ने कहा कि हर महीने के अंतिम रविवार को 11 बजे से मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से पूरे देश को लोगों से रूबरू होते हैं। मन की बात में कई नई-नई चीज सुनने को हमको मिलती हैं। हर बार नवाचार की बात करते हैं। सीखने की बात करते हैं। रेडियो कार्यक्रम के 120वें एपिसोड रहा। सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री हर महीने के आखिरी रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिए पूरे देश के लोगों से संवाद करते हैं। उनके कार्यक्रम में हमें नई-नई चीजें देखने और सुनने को मिलती हैं। सीएम साय ने कहा कि अब गर्मी के दिन आने वाले हैं। इस समय जल संरक्षण हमारी प्राथमिकता है।

'मन की बात' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने चर्चित मासिक प्रसारण 'मन की बात' की 120वीं कड़ी में देशवासियों से संवाद किया। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रेरणादायक कहानियों, जल संरक्षण, खेलों में बढ़ती भागीदारी, योग और सतत विकास जैसे विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम की शुरुआत में मोदी ने कहा कि आज चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि है, जिससे चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। इसी के साथ विक्रम संवत 2082 का शुभारंभ भी हो रहा है। उन्होंने सभी देशवासियों को नवरात्रि और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों और युवाओं को गर्मियों की छुट्टियों में हुनर निखारने का सुझाव देते हुए कहा कि वे गर्मियों की छुट्टियों को नए कौशल सीखने, सेवा कार्यों और स्वयंसेवी गतिविधियों में शामिल होकर बिताएँ। अगर कोई संगठन, स्कूल या सामाजिक संस्था ग्रीष्मकालीन गतिविधियों का आयोजन कर रही है, तो उसे 'माय हॉलिडे' के तहत साझा किया जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि बारिश की बूंदों को संरक्षित करके हम बहुत सारा पानी बचा सकते हैं। पिछले 7-8 वर्षों में देशभर में जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं, जिससे 11 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी का संरक्षण किया।

उड़ीसा के कटक में कामाख्या एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतरे, यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के कटक में रविवार को कामाख्या एक्सप्रेस डिरेल हो गई। ईस्ट कोस्ट रेलवे के पीआरओ अशोक मिश्रा ने बताया कि हादसा दोपहर करीब 12 बजे हुआ। 11 एसी कोच पटरी से उतर गए हैं। मिश्रा के मुताबिक किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है, सभी सुरक्षित हैं। घटना स्थल पर मेडिकल और इमरजेंसी टीम भेजी गई है। इसके अलावा एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन को भी भेजा गया है। वरिष्ठ अधिकारी भी जल्दी मौके पर पहुंचने वाले हैं। जांच के बाद ट्रेन के डिरेल होने की वजह सामने आएगी। मिश्रा ने बताया कि अभी हमारी प्राथमिकता उन ट्रेनों का रूट बदलना है, जो एक्सीडेंट की वजह से ट्रैक पर खड़ी हैं।

कठुआ में 3 नहीं, 5 आतंकी मौजूद

कठुआ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकियों से तीन दिन से चल रही मुठभेड़ चुनौतीपूर्ण बन गई है। अब तक माना जा रहा था कि तीन आतंकी बचे हैं, लेकिन शनिवार को जब सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और बढ़ाई तो पता चला कि अभी भी 5 आतंकी हैं, जो राजबाग इलाके के सफियान जाखोले गांव में इधर-उधर छिप रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक सुरक्षाबलों ने आतंकियों को 10 किमी के दायरे में घेर रखा है। वे जाखोले की ऊंची पहाड़ियों पर हैं, जहां घने जंगल और गुफाएं भी हैं। पांचों आतंकी विदेशी हैं, लेकिन कुछ स्थानीय लोगों की मदद के चलते वो तीन दिन से टिके हुए हैं। सुरक्षा बलों ने 10 संदिग्ध मददगारों को हिरासत में लिया है। इन्हीं ने बताया है कि पांचों आतंकी वही हैं, जिन्हें 23 मार्च को हीरानगर सेक्टर में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास सानियाल गांव में पुलिस ने रोका था। मुठभेड़ में अब तक 2 आतंकी मारे जा चुके हैं।

एनकाउंटर में 4 जवान शहीद, 3 जवान घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 28 मार्च को ऑपरेशन रुप के जवान तारिक अहमद, जसवंत सिंह, जगबीर सिंह और बलविंदर सिंह की गोली लगने से मौत हो गई थी। वहीं, घायल डीएसपी धीरज सिंह समेत तीन जवानों का इलाज जारी है। डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी मुठभेड़ में घायल पुलिसकर्मियों का हालचाल जानने के लिए जम्मू मेडिकल कॉलेज पहुंचे थे। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षाबलों को करीब 5 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी। ये आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के प्रॉक्सी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट से जुड़े हैं।

हिमाचल में लैंडस्लाइड में 4 कारें दबीं, 6 की मौत

पतलीकूहल, कुल्लू (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के धार्मिक पर्यटन स्थल मणिकर्ण में गुरुद्वारे के पास रविवार शाम करीब 4 बजे पहाड़ी से लैंडस्लाइड हो गया। ये लैंडस्लाइड तेज तूफान के कारण भारी भरकम पेड़ के गिरने से हुआ। पेड़ सड़क पर पहले से ही खड़ी करीब 5-6 गाड़ियों के ऊपर गिरा। जिससे 6 लोगों की मौत हो गई, इनमें 3 टूरिस्ट थे। इसके अलावा 4 से 5 लोग मलबे में दब गए थे, प्रशासन और पुलिस ने फौरन रेस्क्यू कर इन्हें बाहर निकाला और स्थानीय लोगों की मदद से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

मोदी के मन की बात का 120वां एपिसोड

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 फरवरी को मन की बात के 119वें एपिसोड में स्पेस सेक्टर और नारी शक्ति का जिक्र किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 120वें एपिसोड में हिंदू नववर्ष का जिक्र किया। उन्होंने देशवासियों को चैत्र नवरात्र, गुड़ी पाड़वा और हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। पीएम ने कहा कि आज से भारतीय नववर्ष की भी शुरुआत हो रही है। यह विक्रम संवत 2082 की शुरुआत है। साथ ही आज गुड़ी पाड़वा का भी दिन है। यह बेहद पावन दिन है। ये त्योहार भारत की विविधता में एकता का एहसास कराते हैं। उन्होंने इस बार परीक्षा देकर लौटे छात्रों के लिए नए टास्क दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस बार गर्मियों में आपको कुछ नया सीखना है और उसको मॉय हॉलिडे के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट करना है। इससे पहले 23 फरवरी को पीएम ने मन की बात के 119वें एपिसोड में स्पेस सेक्टर, नारी शक्ति, चैंपियंस ट्रॉफी-क्रिकेट पर चर्चा की थी। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, खेलो इंडिया, वन्य जीवों और फिटनेस जैसे मुद्दों पर भी बात की थी। इससे पहले 23 फरवरी को पीएम ने मन की बात के 119वें एपिसोड में स्पेस सेक्टर, नारी शक्ति, चैंपियंस ट्रॉफी-क्रिकेट पर चर्चा की थी। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, खेलो इंडिया, वन्य जीवों और फिटनेस जैसे मुद्दों पर भी बात की थी।1.भारत की विविधता में एकता- आज कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में उगादि का पर्व बहुत धूमधाम से मनाया जा रहा है। आज ही महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा मनाया जा रहा है। विविधता भरे हमारे देश में,

अलग-अलग राज्यों में अगले कुछ दिन में असम में %रोंगाली बिहू%, बंगाल में %पोइला बोइशाख%, कश्मीर में %नवरेह% का उत्सव मनाया जाएगा।

हमारे ये त्योहार भले ही अलग-अलग क्षेत्रों में हो, लेकिन ये दिखाते हैं कि भारत की विविधता में भी कैसे एकता पिरोई हुई है। इस एकता की भावना को हमें निरंतर मजबूत करते चलना है।

2. बच्चे समर वेकेशन में कुछ नया सीखें- आज बच्चे नए-नए प्लेटफॉर्म से बहुत कुछ सीख सकते हैं। जैसे कोई टेक्नॉलाजी के बारे में सीख सकता है तो कोई थियटर या लीडरशिप क्वालिटी सीख सकता है। ऐसे कई स्कूल हैं, जो स्पीच और ड्रामा सिखाते हैं। ये बच्चों को बहुत काम आते हैं। बच्चे गर्मियों की छुट्टियों में कई जगह चल रहे वॉलंटियर एक्टिविटीज सेवा कार्यों से जुड़ सकते हैं। अगर कोई संगठन, कोई स्कूल या सामाजिक संस्थाएं समर एक्टिविटी करवा रहे हों तो मॉय हॉलिडे के साथ हमारे साथ जरूर शेयर करें।

3. युवाओं को मॉय हॉलिडे के बारे में जानना चाहिए- मॉय भारत के स्टडी टूर में आप यह जान सकते हैं कि हमारे जन औषधि केंद्र कैसे काम करते हैं। आप वाइब्रेंट विलेज अभियान का हिस्सा बनकर सीमावर्ती गांवों में एक अनोखा अनुभव ले सकते हैं।

वहां संस्कृति और खेल गतिविधियों का हिस्सा भी जरूर बन सकते हैं। वहीं, अंबेडकर जयंती पर पदयात्रा में भाग लेकर आप संविधान के मूल्यों को लेकर जागरूकता भी फैला सकते हैं।

4. खेलो इंडिया पैरा गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन- खेलो इंडिया पैरा गेम्स में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई। हरियाणा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया।

शाह बोले-लालू ने परिवार को सेट किया, युवाओं को नहीं

गोपालगंज (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिनों के बिहार दौरे पर हैं। गोपालगंज में जनसभा को संबोधित करते उन्होंने हुए कहा, बिहार को तय करना है कि लालू-राबड़ी के जंगलराज की ओर जाना है या मोदी-नीतीश के विकास की राह पर जाना है।

अपने 20 मिनट के भाषण में शाह लालू यादव और कांग्रेस पर हमलावर दिखे। उन्होंने कहा- जो काम कांग्रेस पार्टी 65 साल में नहीं कर पाई, वो मोदी सरकार ने 10 साल में किया है। एनडीए की पांच साल और सरकार बनाइए।

शाह ने दावा किया कि अगर हमारी फिर से सरकार बनती है तो हम बिहार को बाढ़ से मुक्त करा देंगे बंद चीनी मिलों को फिर से शुरू करेंगे।

लालू एंड कंपनी ने बहुत अड़ंगे लगाए, लेकिन मोदी ने 500 साल बाद राम मंदिर बनवाया। अब बिहार में

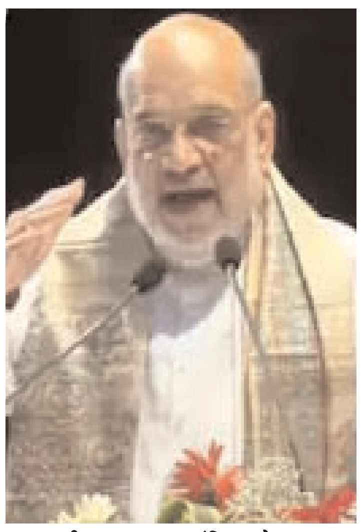

माता सीता का भव्य मंदिर बनेगा। शाह ने छठ पूजा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में हमारी सरकार है। वहां छठ पूजा धूम-धाम से मनाई गई। मोदी सरकार ने शारदा सिन्हा को पद्म विभूषण से नवाजा। वैशाली महोत्सव की शुरुआत हमने की। मोदी जी ने मधुबनी पेंटिंग को जीआई टैग दिलवाया। हमने मखाना बोर्ड बनाकर किसानों की मदद की।

शाह ने कहा- हमने 1 करोड़ 60 लाख घरों में जल पहुंचाया। डेढ़ करोड़ टॉयलेट बनाए। 9 करोड़ लोगों को हर महीने 5 किलो राशन दिया। 40 लाख घर बनाएं। लालू राज ने क्या दिया- अपहरण, फिरौती, हत्या। इतने घोटाले किए, इन्हें शर्म नहीं आती। अलकतरा घोटाला, मिट्टी घोटाला। गो माता का चारा भी लालू जी ने खाया।

लालू जी ने बस एक ही काम किया, अपने परिवार को सेट करने का। उनके दोनों बेटे सीएम बनना चाहते हैं। बेटी को सांसद बनाया। पत्नी पूर्व सीएम हैं। दोनों साले भी मंत्री रहे, लेकिन उन्होंने युवाओं को सेट करने का काम नहीं किया। ये काम मोदी सरकार ने किया।%

3 राज्यों में हीटवेव, 2 में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने रविवार को ओडिशा, पश्चिम बंगाल, और गुजरात में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। वहीं, उत्तर भारत में तेज हवाओं के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजस्थान में उत्तरी हवा चलने से सुबह-शाम गुलाबी ठंड का एहसास हो रहा है। कुछ शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। मध्यप्रदेश में भी मौसम बदलेगा। अप्रैल के पहले सप्ताह में ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट है। इधर, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में तापमान 40.2 डिग्री पहुंच गया। हालांकि प्रदेश में 1 अप्रैल से हल्की बारिश का अनुमान है। आज आज दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान समेत उत्तर-पश्चिम राज्यों में 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। अगले 2 दिन कैसा रहेगा मौसम 1-2 अप्रैल को मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ इलाकों में हल्की बारिश और ओले गिरने की संभावना है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में बादल छाए रहेंगे। तापमान में 2-4 डिग्री की गिरावट संभव है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इससे तापमान 3 डिग्री तक गिरने का अनुमान है।

मोदी बोले- आरएसएस अमर संस्कृति का वट वृक्ष

नागपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी नागपुर के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। मोहन भागवत के साथ मिलकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। वे सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक यहां रहे। उन्होंने संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। बतौर प्रधानमंत्री मोदी

की यह संघ मुख्यालय का पहला दौरा था। इससे पहले जुलाई 2013 में वह लोकसभा चुनाव के सिलसिले में हुई बैठक में शामिल होने नागपुर आए थे। प्रधानमंत्री ने संघ के माधव नेत्रालय के एक्सटेंशन बिल्डिंग की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की स्पीच में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा की।

उन्होंने संघ की तारीफ करते हुए कहा- राष्ट्रीय चेतना के लिए, जो विचार 100 साल पहले संघ के रूप में बोया गया, वो आज महान वट वृक्ष के रूप में दुनिया के सामने है। ये आज भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को लागातार ऊर्जावान बना रहा है।

शाह बोले-लालू को लाज नहीं, गाय का चारा खा गए

गोपालगंज (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिनों के बिहार दौरे पर हैं। गोपालगंज में जनसभा को संबोधित करते उन्होंने हुए कहा, बिहार को तय करना है कि लालू-राबड़ी के जंगलराज की ओर जाना है या मोदी-नीतीश के विकास की राह पर जाना है। अपने 20 मिनट के भाषण में शाह ने लालू यादव और कांग्रेस पर हमला किया। उन्होंने कहा, जो काम कांग्रेस पार्टी 65 साल में नहीं कर पाई, वो मोदी सरकार ने 10 साल में किया है। एनडीए की पांच साल और सरकार बनाइए। शाह ने दावा किया कि अगर हमारी फिर से सरकार बनती है तो हम बिहार को बाढ़ से मुक्त करा देंगे। बंद चीनी मिलों को फिर से शुरू करेंगे। लालू एंड कंपनी ने बहुत अड़ंगे लगाए, लेकिन मोदी ने 500 साल बाद राम मंदिर बनवाया। अब बिहार में माता सीता का भव्य मंदिर बनेगा। शाह ने छठ पूजा का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि जिस राज्य में हमारी सरकार है। वहां छठ पूजा धूमधाम से मनाई गई। मोदी सरकार ने शारदा सिन्हा को पद्म विभूषण से नवाजा। वैशाली महोत्सव की शुरुआत हमने की। मोदी जी ने मधुबनी पेंटिंग को जीआई टैग दिलवाया। हमने मखाना बोर्ड बनाकर किसानों की मदद की।

यूपी में 10 लाख मुस्लिम परिवारों को सौगात-ए-मोदी किट

लखनऊ (एजेंसी)। संभल में मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच ईद-उल-फितर के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से यूपी के 10 लाख गरीब मुस्लिम परिवारों को सौगात-ए-मोदी बांटी जा रही है। शनिवार को राजधानी लखनऊ में भी शिया बहुल इलाकों में मुसलमानों को किट बांटी गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वोट बैंक के लिए भाजपा की ओर से किए जा रहे ध्रुवीकरण के चलते इसका फायदा भाजपा को नहीं होगा। इतना ही नहीं, मुस्लिमों और भाजपा के बीच चल रहे टकराव में भी कोई नरमी आने की संभावना

नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का नारा दिया है।

यूं तो मोदी सरकार की हर महत्वाकांक्षी योजना के लाभार्थियों में बड़ी संख्या में मुस्लिम लाभार्थी भी हैं। लेकिन, पहली बार पीएम मोदी की ओर से ईद पर गरीब मुसलमानों के लिए सौगात-ए-मोदी की किट बांटी जा रही है। यह किट भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे के पदाधिकारी बांट रहे हैं।

भाजपा ने ममता बनर्जी पर साधा निशाना, कहा अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की छवि को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को विरोध का सामना करना पड़ा। ममता बनर्जी वहां सामाजिक विकास - बालिका और महिला सशक्तिकरण विषय पर भाषण दे रही थीं, जब कुछ छात्रों ने उनका विरोध करते हुए भाषण को बीच में ही रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पोस्टर दिखाए और %गो बैक% के नारे लगाए। ये प्रदर्शन पश्चिम बंगाल में हुई चुनावी हिंसा और आरजी कर कॉलेज में हुई दुष्कर्म और हत्या केस को लेकर था। प्रदर्शनकारियों ने ममता से सवाल किया और राज्य की स्थिति पर अपनी असहमति जताई। प्रदर्शनकारियों के सवालों का जवाब देते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि टाटा रूप अब खड़गपुर और राजारहाट में उद्योग लगा रहा है, और इस पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। जब प्रदर्शनकारियों ने आरजी कर कॉलेज के मामले पर सवाल उठाया, तो ममता ने कहा कि यह मामला अभी कोर्ट में है और इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी द्वारा की जा रही है। इसके अलावा ममता ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि कृपया राजनीति न करें।

इस दौरान, पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली भी दर्शकों में मौजूद थे। भाजपा ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर मुख्यमंत्री को देश की छवि को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए थी। भाजपा प्रवक्ता सजल घोष ने कहा कि ममता को इस तरह के सार्वजनिक मंच पर अपनी सरकार की आलोचना नहीं करनी चाहिए थी।

मणिपुर समेत 3 राज्यों में एफएसपीए 6 महीने बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, मणिपुर में जारी हिंसा के कारण कानून व्यवस्था की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया। मणिपुर के 13 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र को छोड़कर बाकी पूरे राज्य में 1 अप्रैल 2025 से अगले छह महीने तक एफएसपीए लागू रहेगा। इससे पहले सितंबर 2024 में मणिपुर के 6 जिलों में छह महीने के लिए एफएसपीए लागू किया गया था। वह इसी साल 31 मार्च को समाप्त हो रहा था, लेकिन राज्य में जारी हिंसा के चलते

अब यह फैसला लिया गया है। नगालैंड और अरुणाचल के कुछ इलाकों में अशांति के कारण एफएसपीए लागू है। अधिसूचना के मुताबिक, नगालैंड के दीमापुर, निउलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और पेरेन जिलों को अशांत क्षेत्र घोषित किया गया है। इसके अलावा कोहिमा, मोकोकचुंग, लोंगलेंग, वोखा और जुनहेबोटो जिलों के कुछ पुलिस थाना क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। यहां भी 1 अप्रैल 2025 से अगले छह महीने तक एफएसपीए लागू रहेगा। वहीं अरुणाचल प्रदेश के तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों के साथ 3 पुलिस थाना क्षेत्रों में भी छह महीने के लिए एफएसपीए, बढ़ा दिया गया है।

एफएसपीए में बिना वारंट गिरफ्तारी का अधिकार एफएसपीए को केवल अशांत क्षेत्रों में लागू किया जाता है। इन जगहों पर सुरक्षाबल बिना वारंट के किसी को भी गिरफ्तार कर सकते हैं। कई मामलों में बल प्रयोग भी हो सकता है। पूर्वोत्तर में सुरक्षाबलों की सहूलियत के लिए 11 सितंबर 1958 को यह कानून पास किया गया था। 1989 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ने पर यहां भी 1990 में एफएसपीए लागू कर दिया गया। अशांत क्षेत्र कौन-कौन से होंगे, ये भी केंद्र सरकार ही तय करती है। जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए मणिपुर में मई 2023 से जारी जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

जयपुर से उड़े स्पाइसजेट प्लेन का टायर फटा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर से चेन्नई गई स्पाइसजेट की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। घटना रविवार (30 मार्च) सुबह की है। चेन्नई एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार टायर में खराबी की सूचना एयर ट्रैफिक कंट्रोल को मिली थी। इसके बाद अलर्ट जारी किया गया है प्लेन को सुरक्षित उतारा गया। फ्लाइट में एसजी-मेंबर सहित 200 लोग सवार थे। दरअसल, फ्लाइट स्ल - 9046 ने शनिवार देर रात 1 बजकर 55 मिनट पर जयपुर से चेन्नई के लिए उड़ान भरी थी।

ढाई घंटे बाद फ्लाइट के पायलट को पता चला की फ्लाइट की टायर में खराबी है। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल यूनिट से संपर्क कर चेन्नई में फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी।

एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार फ्लाइट में मौजूद सभी पैसेंजर सुरक्षित हैं। खराबी को लेकर जांच की जा रही है। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार फ्लाइट में मौजूद सभी पैसेंजर सुरक्षित हैं। खराबी को लेकर जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार पायलट को लैंडिंग से पहले ही पता चल गया था कि फ्लाइट का टायर नंबर दो क्षतिग्रस्त हो गया है। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल यूनिट को बताया- टायर के कई हिस्से हो चुके हैं। ऐसे में फिलहाल फ्लाइट की नॉर्मल लैंडिंग संभव नहीं है। इसके बाद पायलट को इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन दी। सूत्रों के अनुसार इस पूरे घटनाक्रम के बाद एयरलाइंस कंपनी ने फ्लाइट के टायर में आखिरी वक्त पर आई प्रॉब्लम की जांच के आदेश दिए हैं। इसके लिए एक एक्सपर्ट टीम का गठन भी किया गया है। यह टीम इस बात का पता करेगी कि आखिर किस स्तर पर गलती हुई है। क्या प्लेन के रखरखाव में किसी कमी के चलते तो यह हादसा नहीं हुआ है।

आरसीबी के फैन पेज ने लिए अंबाती रायुडू के मजे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चेन्नई सुपर किंग्स को 50 रन से हरा दिया। 2008 के बाद पहली बार आरसीबी से घरेलू सरजमीं पर सीएसके हारी। इसके बाद आरसीबी के एक फैन पैज ने चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी अंबाती रायुडू को ट्रोल किया। रायुडू ने उस फैन पेज को जवाब भी दिया।

चेपक में आरसीबी की जीत के बाद एक फैन पेज ने चुटकी लेते हुए पोस्ट किया कि रायुडू कुछ घंटों के लिए ऑफलाइन हैं। वह ठीक तो हैं? 39वर्षीय ने इस मजाक को खेल भावना से लिया। उन्होंने कहा कि मजाक ऐसे ही होने चाहिए। सीएसके के पूर्व स्टार ने ये भी बताया कि इस सीजन में आरसीबीके पास एक मजबूत लाइनअप है। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फैन पेज से पोस्ट शेयर करते हुए, रायुडू ने लिखा कि, हाहाहा बढ़िया है... मजाक बिल्कुल ऐसा ही होना चाहिए। इस साल आपके पास एक बेहतरीन टीम है और आप सर्वश्रेष्ठ की उम्मीद कर सकते हैं। फैनपेज ने कहा कि, हम चिंतित हो रहे हैं। पैनल का एक सदस्य पिछले दो घंटों से ऑनलाइन गायब पाया गया है। अगर किसी को इसके बारे में कोई जानकारी है तो कृपया संपर्क करें। हमें उम्मीद है कि अंबाती रायुडू ठीक हैं।

पिछले सत्रों से दस गुना बेहतर है आरसीबी टीम का संतुलन- एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की शानदार शुरूआत को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि इस बार टीम पिछले सत्रों की तुलना में दस गुना बेहतर लग रही है औरउम्दा शुरूआत से आगे उसका काम आसान हो जायेगा। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर सत्रह साल बाद हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

आरसीबी के लिये खेल चुके डिविलियर्स ने अपने पॉडकास्ट 'एबी डिविलियर्स 360' में कहा ,'' इस बार आरसीबी टीम का संतुलन पिछले सत्रों से दस गुना बेहतर है।'' उन्होंने कहा ,'' पिछले साल आईपीएल नीलामी के समय मैने कहा था कि आरसीबी को संतुलन की जरूरत है। यह गेंदबाजों, बल्लेबाजों या क्षेत्ररक्षकों को लेकर नहीं था।यह आईपीएल टीमों और विकल्पों में अच्छे संतुलन को लेकर था।'' डिविलियर्स ने कहा ,'' मैने भुवनेश्वर कुमार को देखा तो मुझे लगा कि वह नहीं खेल रहा है और फिर दूसरे मैच में वह टीम में था। आपको यही तो चाहिये। पहले मैच में (केकेआर के खिलाफ) वह टीम में नहीं था और दूसरे मैच में वह किसी और की जगह टीम में था। यही वह संतुलन और गहराई है जो टीम को चाहिये होती है।'' उन्होंने कहा ,'' आरसीबी की यह टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ शुरूआत है। नतीजों के नजरिये से ही नहीं बल्कि टीम को देखकर भी। केकेआर को उसके घर पर हराना और फिर चेन्नई को चेपॉक पर मात देना शानदार रहा।

मनिका बत्रा ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट, वीडियो के जरिए बयां की दिल की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीत चुकी स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा सोशल मीडिया की मशहूर हस्तियों में से एक हैं। मनिका बत्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव नहीं रहती हैं, लेकिन समय-समय पर वह अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर करती रहती हैं। क्रिकेट प्रेमी भारत देश में फैंस मनिका बत्रा को खूब पसंद करते हैं और उनकी हर एक पोस्ट पर खूब प्यार लुटाते हैं।

बता दें कि, सोशल मीडिया पर मनिका बत्रा के 700क्य फॉलोअर्स हैं, फैन फॉलोइंग से साफ जाहिर होता है कि फैंस उनसे कितना लगाव रखते हैं। पिछले कुछ दिनों से मनिका बत्रा अपनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल की स्टोरी पर सैड पोस्ट शेयर कर रही हैं, इसी बीच एक बार फिर उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इमोशनल वीडियो शेयर किया है, आपको दिखाते हैं ये वीडियो और इसके पीछे की वजह भी बताते हैं। शुक्रवार शाम मनिका बत्रा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है, शेयर की गई स्टीर में प्रेमानंद महाराज जी का एक वीडियो है जिसमें वह अपने दुखी भक्तों को दिलासा देते हुए कहते हैं। हारना नहीं हैं बाहर से हार जाओ लेकिन अंदर से हारना नहीं है।

आईपीएल में सबसे अधिक डॉट गेंदें फेंकने वालों में अधिकतर भारतीय

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में डॉट गेंद फेंकने के मामले में शीर्ष पांच खिलाड़ियों में से चार भारतीय गेंदबाज हैं। केवल एक गेंदबाज सुनील नरेन वेस्टइंडीज के हैं। आईपीएल में आमतौर पर बल्लेबाज हावी रहे हैं पर इसमें सबसे अधिक डॉट गेंद फैंककर भारतीय गेंदबाजों बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा है। आरसीबी में शामिल भुवनेश्वर कुमार ने 1729 डॉट गेंदें फेंकी हैं और वह सूची में पहले नंबर पर हैं। भुवनेशवर ने टूर्नामेंट में कुल 3910 गेंदें डाली है, जिसमें 44 फीसदी डॉट गेंदें हैं। सबसे ज्यादा किफायती गेंदबाज की बात करें तो भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 1292 गेंदों के साथ छठे स्थान पर हैं। वहीं साल 2021 में अंतिम आईपीएल मैच खेलने वाले स्पिनर हरभजन सिंह इस सूची में 1312 डॉट गेंदों के साथ पांचवें पायदान पर जबकि स्पिनर पीयूष चावला हैं। पीयूष ने आईपीएल में 1358 डॉट गेंदें डाली है और वह चौथे नंबर पर हैं।

वहीं अनुभवी स्पिनर आर अश्विन 1612 गेंदों के साथ सूची में तीसरे स्थान पर हैं। अश्विन इस बार सीएसके से खेल रहे हैं। वहीं इस सूची में नरेन ही केवल विदेशी गेंदबाज है। नरेन ने अपने आईपीएल करियर में अभी तक 1636 डॉट गेंदें फेंकी और वह दूसेर नंबर पर है।

2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट 14 जून से

सेन डियागो (एजेंसी)। 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट ये 14 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें भाग लेंगी। इसमें सात मैचों का ग्रुप स्टेज और प्लेऑफ फॉर्मेट होगा। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने इसके लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। इसमें कुल इनामी राशि 1 बिलियन डॉलर 32 प्रतिभागी क्लबों में वितरित की जाएगी। इसमें विजेता टीम को 125 मिलियन डॉलर तक जीतने का निर्धारित।अवसर मिलेगा। इसके अलावा वैश्विक क्लब फुटबॉल को समर्थन देने के लिए 250 मिलियन डॉलर अलग रखे गए हैं। वहीं इसमें शामिल टीमों को 525 मिलियन डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा यूईएफए क्लब 12.81 मिलियन डॉलर से 38.19 मिलियन डॉलर तक की राशि हासिल करेंगे, जो उनकी रैंकिंग और राजस्व पर निर्भर करेगा। इसके तहत शीर्ष स्तर के क्लब चेल्सी, मैनचेस्टर सिटी, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख बड़ी इनामी राशि हासिल करने की दावेदार रहेंगी। कोंमेबोल (दक्षिण अमेरिकी) क्लब को 15.21 मिलियन डॉलर के करीब रकम मिलेगी।

गिल ने रचा इतिहास, आईपीएल में ऐसा करनामा करने वाले पहले भारतीय बनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2025 का मुकाबला खेला जा रहा है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की टीम की शुरुआत अच्छी रही। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन की सलामी जोड़ी ने पहले 6 ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 66 रन बनाए। इस दौरान दोनों ही बल्लेबाजों ने 32-32 रनों का योगदान दिया। गिल ने अपनी इस छोटी सी पारी के दम पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 1000 रन का आंकड़ा पार किया। उन्होंने ये उपलब्धि महज 19वीं पारी में हासिल की।

गिल इसी के साथ आईपीएल के इतिहास में किसी भी स्टेडियम में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ा है। जिन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में ये कमाल करने में 31 पारियां ली थी। गिल ने ये कारनामा महज 20 पारियों में ही कर दिया। वहीं आईपीएल के एक वेन्यू पर सबसे तेज 1000 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। यूनिवर्स बॉस ने ये कारनामा बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में महज 19 पारियों में किया था।

केकेआर के लिए खुशखबरी, ये स्टार ऑलराउंडर हुआ फिट, शुरू किया अभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का पहला मैच हारने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स ने दूसरे मैच में रॉजस्थान रॉयल्स को 8 विकेट से हराया। अजिंक्य रहाणे एंड टीम का अगला मैच मुंबई इंडियंस के साथ है, जिसके लिए केकेआर टीम ने वानखेड़े में अभ्यास शुरू कर दिया है। केकेआर के लिए अच्छी खबर ये हैं कि इस मैच के लिए उनके स्टार ऑलराउंडर प्लेयर सुनील नरेन फिट हो गए हैं, उन्होंने टीम के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है।

राजस्थान के खिलाफ पिचले मैच में सुनील नरेन प्लेइंग 11 से बाहर थे। हालांकि, कप्तान अजिंक्य रहाणे ने साफ किया था कि वह चोटिल नहीं हैं लेकिन उनकी तबियत खराब है। इस वजह से वह नहीं खेल पाए थे, लेकिन अब उन्होंने टीम के साथ अभ्यास शुरू कर दिया है।

बता दें कि, सुनील नरेन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेले थे। उनकी जगह इंग्लैंड के ऑलराउंडर प्लेयर मोईन अली प्लेइंग 11 में शामिल किए गए थे। 1628 दोनों बाद ऐसा हुआ था कि सुनील नरेन केकेआर की प्लेइंग 11 में शामिल नहीं थे। सुनील नरेन केकेआर टीम के अहम प्लेयर हैं जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में योगदान देते हैं, वह पारी की शुरुआत करते हुए विस्फोटक अंदाज में खेलते हैं। उनकी गेंदबाजी भी कमाल है, वह अच्छे अच्छे बल्लेबाजों को परेशान करते हैं। सुनील नरेन ने आईपीएल में 178 मैच खेले हैं, जिनमें 165.93 की स्ट्राइक रेट से 1578 रन बनाए हैं। उनके नाम 7 अर्धशतक और 1 शतक है। उनके नाम आईपीएल में 181 विकेट हैं।

भारत का सामना करने के लिये प्रदर्शन में निरंतरता जरूरी : जो रूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट का मानना है कि पांच टेस्ट मैचों की आगामी श्रृंखला में भारत के खिलाफ प्रदर्शन में निरंतरता रहनी जरूरी है क्योंकि इसके अलावा ऐसे कठिन प्रतिद्वंद्वी का सामना करने का कोई उपाय नहीं है। भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025 . 27 चक्र की शुरूआत इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से करेगी जिसका पहला मैच 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जायेगा। रूट ने स्काय स्पोटर्स से कहा ,'' हम अपने हालात में अच्छा खेलते हैं लेकिन भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में प्रदर्शन

में निरंतरता जरूरी होगी। आपको बार बार मैच जीतने वाला प्रदर्शन करना होगा।''

वर्ष 2017 से 2022 तक इंग्लैंड के कप्तान रहे रूट ने 64 में से 27 टेस्ट जीते हैं और वह इंग्लैंड के सबसे कामयाब टेस्ट कप्तान रहे हैं। उन्होंने 2021 के खराब दौर के बाद कप्तानी छोड़ने का फैसला किया जब टीम 17 में से एक ही टेस्ट जीत सकी और आस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला हार गई। चैम्पियंस ट्रॉफी में उन्होंने इंग्लैंड के लिये सर्वाधिक 225 रन बनाये लेकिन टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

रूट ने कहा ,' चैम्पियंस ट्रॉफी में प्रदर्शन खराब रहा। हम अपनी क्षमता के अनुरूप खेल नहीं सके। लेकिन इस टीम में काफी प्रतिभा है।

अब नये सिरे से शुरूआत करके उन्हीं बुलंदियों तक पहुंचने का समय है जहां हम 2015 से 2019 के बीच थे।

रोहित शर्मा बोले- टीम इंडिया का हर खिलाड़ी सम्मान का हकदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी टीम के सभी खिलाड़ियों के लिए खास डिमांड की है। दरअसल, रोहित ने कहा कि उनकी टीम ने पिछले 9 महीनों में क्रिकेट के उतार चढ़ावों का सामना करते हुए सफलता के लिए सामूहिक संघर्ष किया है और पिछले 3 आईसीसी टूर्नामेंटों में भाग लेने वाली टीम का प्रत्येक सदस्य सम्मान का हकदार है। भारत को पिछले 3 आईसीसी लिमिटेड ओवरों के टूर्नामेंट में 24 मैचों में से एक में ही हार झेलनी पड़ी है वो भी 2023 वर्ल्ड कप के दौरान। ये हार भारत को टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में मिली थी। वहीं भारत ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप और इस साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इसके बीच भारत को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के हाथों टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी।

रोहित ने बतौर कप्तान अपने कार्यकाल के बारे में कहा कि, इस टीम ने तीन बड़े टूर्नामेंट में जो हासिल किया है। इस तह के टूर्नामेंट खेलना और बस एक मैच हारना और वह भी फाइनल (2023 वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल)। सोचो अगर हम वह भी जीत जाते तो तीन आईसीसी टूर्नामेंटों में अपराजेय रहते। ऐसा कभी सुना ही नहीं है। 24 में से 23 मैच जीतना। बाहर से ये बहुत अच्छी लगता है लेकिन इस टीम ने काफी उतार चढ़ाव देखे हैं।

रोहित ने मुंबई इंडियंस के एक्स पेज पर टीम द्वारा डाले गए वीडियो में कहा कि, हमने कठिन समय भी देखा है लेकिन फिर आपको जश्न मनाने का मौका भी मिला। मेरा मानना है कि पिछले तीन टूर्नामेंट खेलने वाला हर खिलाड़ी सम्मान का हकदार है।

बता दें कि, रोहित के इसी इंटरव्यू के दौरान बीसीसीआई के आला अधिकारी भविष्य की रुपरेखा तय करने के लिए बैठक करने वाले थे लेकिन वह बैठक स्थगित कर दी गई।

रोहित ने आगे कहा कि, ये उन सभी खिलाड़ियों के लिए है जो किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं और निराशा में हैं, वे वापसी करना चाहते हैं और परिस्थितियां जो भी हो, बुलंदियां छूना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि, हम घर पर सीरीज हार गए और ऑस्ट्रेलिया में अच्छा नहीं खेल सके। इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी जीती। पिछले 9 महीने इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि जीवन कैसा है। इसमें उतार चढ़ाव हमेशा रहेंगे।

चेन्नई सुपर किंग्स की हार पर भड़के हेड कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स की आईपीएल के 18वें सीजन में जीत के साथ शुरुआत हुई। लेकिन टीम इस विजेयी रथ को जारी नहीं रख पाई और उसे दूसरे मैच में आरसीबी के खिलाफ 50 रनों से हार झेलनी पड़ी। साल 2008 के बाद अब जाकर आरसीबी ने सीएसके को उनके घरेलू मैदान पर हराया। इस सीजन में एक तरफ जहां अन्य टीमें शुरू से ही धमाकेदार शुरुआत करती हैं तो वहीं सीएसके पुराने धर्रे पर ही चल रह हैं और ये टीम बाद में गति पकड़ने पर विश्वास कर रही है।

चेन्नई की रणनीति मुंबई इंडियंस के खिलाफ 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कारगर साबित हुई, लेकिन आरसीबी ने 196 रन बनाए और फिर ये टीम रन रेट को बनाए रखने में विफल रही। चेन्नई ने आरसीबी के खिलाफ शुरुआत विकेट जल्दी गंवा दिए और इसके कारण से बैकफुट पर आ गए। सीएसके के खिलाफ सुरुआती विकेट जल्दी गंवा दिए और इसकी वजह से बैकफुट पर आ गए। सीएसके की हार के बाद प्लेमिंग सवाल किया गया कि वो पुरानी रणनीति पर क्यों चल रहे हैं। फ्लेमिंग से पूछा गया कि पहले मैच में आपने 20 ओवर में 156 रन का पीछा किया था, लेकिन आरसीबी के खिलाफ आपने 146 रन बनाए। मुझे पता है कि ये आपका क्रिकेट खेलने का तरीका है, लेकिन क्या आपको लगता है कि ये पुराना हो गया है।

इस सवाल का जवाब देते हुए फ्लेमिंग ने कहा कि मेरे खेलने के तरीके से आपका क्या मतलब है। उन्होंने कहा कि वो पहली गेंद से स्विंग नहीं करते तो उनका तरीका इससे पुराना नहीं हो जाता। हम फायरपावर की बात करते हैं तो हमारे पास हर तरह से फायरपावर है। मुझे ये सवाल समझ नहीं आता। सिर्फ इसलिए की हम पहली गेंद से स्विंग नहीं करते और किस्मत हमारे पक्ष में है, बस अंत में देखिए कि कौन जीतता है और हमें कम मत समझिए, इसके बाद रिपोर्टर ने कहा कि मैं आपको कम नहीं आंक रहा हूं, लेकिन आप कुछ हद तक ऐसा कर रहे हैं। इसके बाद फ्लेमिंग ने कहा कि मूर्खतापूर्ण सवाल।

फ्लेमिंग ने कहा कि पिछले कुछ साल से हम चेपक की पीच को नहीं पढ़ पाए हैं, इसलिए ये कोई नई बात नहीं है। हमें जो मिलता है उससे निपटने की कोशिश करते हैं। ये अब पुराना मैदान नहीं है कि आप बस जातकर चार स्पिनर के साथ खेल सकते हैं। हमें ये समझने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है कि हर मैच में पिच का क्या मिजाज होगा। हमें घरेलू पिच का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। हमें की बार घर के बाहर जीत हासिल की है। आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में भी हम पिच को नहीं पढ़ पाए।

रानी तालाब मंदिर में उमड़े भक्त, सजा मेला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर में रानी तालाब मंदिर भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। [15] जहां नवरात्रि पर्व में बैठकी के साथ ही हजारों लोग माता के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यहां दर्शनार्थियों की भीड़ को लेकर पहले से ही पुलिस और प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किये हैं। बता दें कि रविवार के चलते अन्य दिनों की अपेक्षा रानी तालाब स्थित कालिका मां के दरबार में बड़ी संख्या में भक्तों ने हाजिरी लगाई। मंदिर में पूजा-अर्चना का सिलसिला सुबह 4 बजे से ही शुरू हो गया । मुख्य पुजारी का कहना है कि आज नवरात्रि का पहला दिन है और बैठकी के साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर में उमड़ने लगी है। अगले नौ दिनों तक मंदिर में ऐसा ही नजारा रहने वाला है.।

चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ के साथ ही रीवा के रानी तालाब स्थित 450 वर्ष पुराने माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भोर में 4 बजे मंदिर के पट खुलते ही भक्त माता के दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर परिसर भक्ति और श्रद्धा से सराबोर हो गया।

हर साल की तरह इस बार भी नवरात्रि के दौरान मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लगीं। भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने विशेष सुरक्षा इंतजाम किए हैं। जगह-जगह बैरिकेड्स लगाए गए हैं ताकि भक्त व्यवस्थित रूप से दर्शन कर सकें।

नवरात्रि उत्सव के दौरान मंदिर परिसर में मेले का भी आयोजन किया जा रहा है। मेले में मनोरंजन के साधन, घर-गृहस्थी के सामान और स्वादिष्ट पकवानों की दुकानें लगाई गई हैं, जिससे श्रद्धालु भक्ति के साथ-साथ मेले का आनंद भी उठा सकें।

मंदिर से जुड़ी एक मान्यता के अनुसार, वर्षों पहले एक व्यापारी माता की मूर्ति लेकर जा रहा था, लेकिन जब उसने इसे एक पेड़ पर टिकाया तो मूर्ति वहीं स्थायी रूप से स्थापित हो गई। तब से इस स्थान को माता का पवित्र धाम माना जाता है।

अष्टमी-नवमी पर विशेष स्वर्ण श्रृंगार: मंदिर के मुख्य पुजारी देवी प्रसाद ने बताया कि नवरात्रि के दौरान हर दिन लगभग 20,000 से अधिक श्रद्धालु माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। अष्टमी और नवमी के दिन माता का विशेष स्वर्ण श्रृंगार किया जाता है, जिसमें आसपास के जिलों और अन्य प्रदेशों से भी भक्त दर्शन के लिए आते हैं।

विक्रम नववर्ष पर उप मुख्यमंत्री ने पचमठा धाम में पूजा-अर्चना की

सूर्य उपासना कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विक्रम संवत 2082 का प्रथम दिन आज उल्लास पूर्वक मनाया गया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने विक्रम नववर्ष पर पचमठा धाम पहुंचकर आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित शिव मंदिर में पूजन-अर्चन कर भगवान आशुतोष का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री शुक्ल सूर्य उपासना कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धर्म व अध्यात्म हमारी सबसे बड़ी ताकत है। माँ भगवती की आराधना के नौ दिन हमें सही दिशा में काम करने की ताकत देते हैं। माँ की कृपा सभी पर रहे और हम सब जन कल्याण के लिए तत्पर रहें। उन्होंने राम दरबार को माँ बीहर के तट पर विभिन्न धार्मिक आयोजनों के लिए साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि राम दरबार के सदस्य नई चेतना के उदय का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी सहित राम दरबार के सदस्य उपस्थित रहे।

भागीरथी के लिए काल बना विवादित बयान, दर्जनभर बदमाशों ने मिलकर की बेदम पिटाई

होश में आते ही कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा पर मारपीट में शामिल होने का लगाया आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सियासत में आरोप प्रत्यारोप तो आम बात है लेकिन इससे इतर मारपीट जैसे संगीन अपराध को कारित करना सियासी जमीन को बिगाड़ने का काम करती है। मारपीट से ही जुड़ा ताजा मामला सामने आया है जिले की सेमरिया विधानसभा से जहां सूबे के चर्चित नेता भागीरथी शुक्ला के ऊपर कुछ बदमाशों ने हमला कर उन्हें बुरी तरह से घायल कर दिया जिसके बाद उन्हें आनन फानन में संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है मगर अब उनके ऊपर हुए प्राणघाती हमले ने राजनीति का रूप ले लिया है जिसपर अब चौक चौराहे में सेमरिया के कांग्रेस विधायक पर मारपीट में शामिल होने की चर्चाएं गरमाई हुई हैं।

दरअसल कुछ दिन पहले कांग्रेस छोड़कर सेमरिया विधायक अभय मिश्रा को अल्फाजोलम गोली खाने वाला और विकास विरोधी बताने वाले भागीरथी शुक्ला पर शुक्रवार देर रात अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई और जिन्हे संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल भागीरथी शुक्ला के समर्थकों ने बताया कि यह पूरा मामला चोरहटा थाना अंतर्गत रेलवे स्टेशन पार्किंग का है जहां लगभग 20 अज्ञात लोगों ने पहुंचकर लाठी डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया जिससे उनके सिर हाथ और पैर पर गंभीर चोटें आई है। इतना ही नहीं इस घटना के पीछे सेमरिया विधायक अभय मिश्रा को जिम्मेदार बताया जा रहा है।

यह पूरा मामला इसलिए भी रीवा के सियासत को गर्म कर रहा है क्योंकि पिछले ही दिनों भागीरथी शुक्ला जो की एक समय सेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा के करीबी माने जाते थे उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अभय मिश्रा पर कई गंभीर आरोप लगाए थे जिसमें उन्होंने कहा था कि अभय मिश्रा को समय-समय पर नशे की गोली चाहिए होती है। अगर वह नशे की गोली अभय मिश्रा को नहीं मिलती तो उनके हाथ पांव कापने लगते हैं।

वही इस मामले पर जब अभय मिश्रा से सवाल किया गया तो उन्होंने बड़े ही हल्के तरीके से भागीरथी शुक्ला पर चुटकी लेते हुए कहा था कि बच्चा समझ कर हर महीने कुछ ना कुछ अकाउंट में करवा दिया जाता था दो महीने से पेमेंट नहीं गई इसलिए उल जलूल बातें कर रहे हैं। आगे विधायक जी ने यह भी कहा कि कोई मुद्दे की बात हो तो इस पर प्रतिक्रिया भी दी जाए इस पर हम क्या बोले।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार की देर रात भागीरथी शुक्ला पर इस तरह के हमले से रीवा की राजनीति तो गर्म हो गई। इस मामले पर अभय मिश्रा खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं। बल्कि ऑफ कैमरा इस घटना को सिरे से नकार रहे हैं। वहीं कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि रीवा अपराधों का घर बन चुका है हर समय तरह तरह की घटनाएं घट रही हैं अगर इस तरह का कोई मामला सामने आया है तो निश्चित रूप से रीवा एसपी को मामले की उच्च स्तरीय जांच करानी चाहिए ताकि जो दोषी हो उन्हें सजा मिल सके। यह सवाल किए जाने पर की कांग्रेस विधायक पर मारपीट कराने का आरोप लगाया गया है कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कोई किसी पर भी लगा सकता है।

इस घटना की सच्चाई तो पुलिस की जांच में ही सामने आ पाएगी लेकिन जिस तरह से राजनीतिक तौर पर उथल-पुथल मची है वह रीवा की राजनीति के लिए ठीक नहीं कहीं जा सकती। एक विधायक पर इस तरह का आरोप लगना निश्चित रूप से कई सवाल खड़े कर रहा है।

समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। . किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीद की जाती है। शासन द्वारा वर्तमान वर्ष के लिए गेंहू का समर्थन मूल्य 2425 रूपये तथा सरकार द्वारा घोषित 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस के साथ किसानों से 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेंहू का उपार्जन होगा। समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है। किसान एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल एप पर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि रीवा जिले में गेंहू उपार्जन के लिए खरीदी केन्द्र निर्धारित कर दिए गए हैं। किसान इन खरीदी केन्द्रों में गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं। सभी किसान निर्धारित खरीदी केन्द्रों में अपना आनलाइन पंजीयन अवश्य करायें। पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीद की जायेगी। स्वयं के मोबाइल, कम्प्यूटर, खरीदी केन्द्र तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र में पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। किसान 50 रुपए का शुल्क देकर एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र तथा साइबर कैफे में पंजीयन करा सकते हैं। कलेक्टर ने बताया कि पंजीयन के समय किसान आधार संख्या से लिंक बैंक खाते दर्ज करें जिससे ऑनलाइन भुगतान किया जा सके। पंजीयन कराने के लिए किसान को बोये गये खेत के खसरा नंबर की ऋण पुस्तिका, आधार से लिंक बैंक खाते की जानकारी देकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। बटाईदार एवं सिकमी किसानों के लिए भी ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था की गयी है। केवल पंजीकृत किसानों को ही गेंहू उपार्जन का लाभ दिया जायेगा।

उप मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेशवासियों को ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं दी हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ईद का पर्व त्याग, सेवा और भाईचारे का प्रतीक है। यह त्योहार हमें समाज में एकता और सौहार्द्र को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। उपवास और इबादत के इस पवित्र महीने के बाद ईद का त्योहार सभी के जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाए, ऐसी कामना है।

जिले भर में मनाया गया विक्रम संवत नववर्ष

पचमठा धाम में ध्वज वंदन के साथ नववर्ष का हुआ स्वागत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विक्रम संवत 2082 का प्रथम दिवस जिले भर में उत्साह के साथ मनाया गया। पचमठा धाम रीवा में विक्रम नववर्ष के प्रथम दिवस पर ध्वज वंदन किया गया तथा मध्यप्रदेश नाटॠ विद्यालय के दल द्वारा सम्राट विक्रमादित्य नाटिका का मंचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रीवा सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि यह दिन सांस्कृतिक पुनर्स्थापना का दिवस है। इस गौरवपूर्ण दिन को हम सबको पूरे श्रद्धाभाव के साथ मनाते हुए अपनी प्राचीन संस्कृति व विरासत से जुड़ना होगा। हमारी पुरातन काल की वेधशाला की गणना आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति भी से भी आगे है। विक्रम संवत की शुरूआत 57 ई.पूर्व हुई थी। यह भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण काल गणना तंत्र बन गया। जो आज भी प्रचलित है। इसी के आधार पर हमारे धार्मिक व सामाजिक अनुष्ठान किए जाते हैं।

सांसद श्री मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के कार्य प्रारंभ हुए हैं। योग और आयुर्वेद को संपूर्ण विश्व में मान्यता मिली है। मध्यप्रदेश में भी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की ध्वजा लहरा रही है। कार्यक्रम में नाटॠ दल द्वारा अनुष्ठानिक रीति से ध्वज वंदन किया गया। ब्राम्हध्वज प्रमुख मंदिरों व शासकीय भवनों में स्थापित किए जाएंगे।

इस अवसर पर भारत का नववर्ष विक्रम संवत पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी के संस्कृति सलाहकार एवं निदेशक महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ श्रीराम तिवारी के विक्रम संवत शुरू होने के इतिहास से संबंधित जानकारी का वाचन किया गया। नाटॠदल के सदस्यों का इस अवसर पर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त डॉ सौरभ सोनवड़े, पार्षद मुन्ना खान, पूर्व पार्षद सतीश सिंह, नाटॠ दल के निदेशक विपुल सिंह, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला, संयुक्त संचालक शिक्षा केपी तिवारी, डीईओ सुदामालाल गुप्ता, प्राचार्य वरूणेन्द्र प्रताप सिंह, अरूण मिश्रा, सहायक संचालक राजेश मिश्रा सहित नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में संभ्रांतजन व नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की "मन की बात" का उप मुख्यमंत्री ने सुना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा 30 मार्च 2025. उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम "मन की बात" का रीवा से जबलपुर मार्ग में यात्रा के दौरान का श्रवण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायी रहता है।

पुस्तक मेले में तय दर पर मिलेंगी किताबें और गणवेश

मानस भवन में चार और पाँच अप्रैल को आयोजित होगा पुस्तक मेला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से आरंभ हो रहा है। जिले में संचालित सभी स्कूलों के विद्यार्थियों को निर्धारित दर पर किताबें और गणवेश उपलब्ध कराने के लिए पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता ने बताया कि पूर्व में पुस्तक मेला शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मार्तण्ड क्रमांक तीन परिसर में दो एवं तीन अप्रैल को आयोजित होना था। गर्मी एवं छात्रों व अभिभावकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए अब पुस्तक मेला चार व पाँच अप्रैल को मानस भवन में आयोजित होगा। इसमें जिले के सभी पुस्तक, स्टेशनरी और गणवेश विक्रेता शामिल होंगे। सभी दुकानदारों को पंजीयन कराने के बाद दुकान लगाने की सुविधा दी जाएगी। पंजीकृत दुकानों से निर्धारित दर पर विद्यार्थियों को किताबें तथा अन्य स्टेशनरी प्राप्त होगी। इन दुकानों से निर्धारित दरों पर ही गणवेश भी प्राप्त होंगे। पुस्तक मेले में सभी मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों की किताबें और गणवेश उपलब्ध रहेंगी। अभिभावक पुस्तक मेले के माध्यम से रियायती दर पर गणवेश और किताबें खरीद सकते हैं।

26वें मेडिसिन अपडेट 2025 कार्यक्रम में हुए शामिल

26वें मेडिसिन अपडेट 2025 कार्यक्रम में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हेल्थ केयर क्षेत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता से निरंतर प्रगति हो रही है। मेडिसिन अपडेट जैसे सेमिनार नए निष्कर्ष निकालने में सहायक होते हैं, जिससे नई पीढ़ी को भी लाभ मिलता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया के जबलपुर चेप्टर द्वारा होटल विजन महल में "26वें मेडिसिन अपडेट 2025" कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है। मेडिकल कॉलेज में प्रदेश में एमबीबीएस की 10 हज़ार और पीजी में 5 हज़ार सीट की वृद्धि की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। प्रदेश में 10 हजार करोड़ का निवेश हेल्थ केयर में किया गया है और डॉक्टरों के लिए बेहतर प्रोजेक्ट तैयार किए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि डॉक्टरों की क्वालिटी और मानक, मानवता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। समय के साथ उन्हें अपडेट रहना चाहिए और ऐसे सेमिनार से नई जानकारी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को सेवा भाव से कार्य कर समाज में उत्कृष्ट योगदान देना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से पांचवें स्थान पर आ गई है और 2047 तक अमेरिका और चीन को भी पीछे छोड़कर भारत शीर्ष पर पहुँचेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका होगी। उन्होंने सेमिनार में आए निष्कर्षों को सरकार तक पहुंचाने की बात कही।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। पूर्व मंत्री और विधायक श्री अजय बिश्नोई ने कहा कि मेडिसिन अपडेट समय की मांग है। एलोपैथी में नई खोजों से पीड़ित मानवता की सेवा होती है। उन्होंने आयुष के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों की भी सराहना की। इस दौरान एआईपी के प्रेसिडेंट डॉ. नवीन शर्मा, सचिव डॉ. अभिषेक तिवारी, सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा और अन्य प्रतिष्ठित चिकित्सक मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ।

अप्रवेशी बच्चों का घर-घर जाकर किया जायेगा सर्वेक्षण

एक अप्रैल से आरंभ होगा नया शिक्षा सत्र

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले में आगामी एक अप्रैल से स्कूल शिक्षा विभाग का वर्ष 2025-26 का नया शिक्षा सत्र आरंभ हो रहा है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने शासकीय स्कूलों में नवीन शिक्षा सत्र के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी किए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला समन्वयक शिक्षा मिशन को नवीन शिक्षा सत्र के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में अनिवार्य रूप से प्रवेश कराएं। अब तक कक्षा दो से लेकर कक्षा 11 तक जो विद्यार्थी दर्ज हैं उनका पूरा विवरण समग्र शिक्षा पोर्टल पर 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से अपडेट कराएं। विकासखण्ड स्तर पर विद्यार्थियों एवं पालकों के साथ बैठक आयोजित करके एक अप्रैल से नवीन शिक्षा सत्र शुरू होने की जानकारी दें। स्थानीय संचार माध्यमों से भी इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आमजनता का भी पूरा सहयोग लें। मऊगंज जिले में स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के लिए जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र रीवा को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। मऊगंज का जिला स्तरीय कार्यक्रम एक अप्रैल को शासकीय उमावि कन्या मऊगंज में आयोजित होगा।

कलेक्टर ने कहा है कि शाला प्रबंधन समिति एवं पालकों की बैठक आयोजित करें। विद्यार्थी के अभिभावक से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक स्थिति के संबंध में उपयोगी सुझाव प्राप्त करें। अभिभावकों को विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति से भी अवगत कराएं।

सभी शालाओं में एक अप्रैल को समारोह पूर्वक प्रवेश उत्सव का आयोजन करें। इस दिन विद्यार्थियों का परंपरागत तरीके से स्वागत करने के साथ प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में विशेष मध्यान्ह भोजन का भी आयोजन करें। प्राथमिक शाला के शिक्षक आंगनवाड़ी केन्द्र जाकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से कक्षा एक में प्रवेश योग्य बच्चों की सूची प्राप्त करें। उनके अभिभावकों से संपर्क करके बच्चों का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करें। बच्चे के कक्षा एक में प्रवेश के लिए आयु संबंधी प्रमाणीकरण के लिए जन्म प्रमाण पत्र, एएनएम के रजिस्टर तथा आंगनवाड़ी केन्द्र के रजिस्टर को भी आधार बनाएं। कक्षा एक से कक्षा 11वीं तक दर्ज विद्यार्थियों की सूची संबंधित शाला में उपलब्ध है। इसमें शामिल विद्यार्थियों को आगामी कक्षा में प्रवेश दिलाएं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।